# Test Series Question Paper Hindi (18 Nov. 2023)

**प्रश्न 1: यूरोपीय लोगों की पहली फैक्ट्री के सम्बन्ध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| **यूरोपियन** | **शहर** |
|---|---|
| 1. डच : | कालीकट |
| 2. पुर्तगाली : | मसूलीपट्टनम |
| 3. फ्रेंच : | सूरत |
| 4. ब्रिटिश: | पांडिचेरी |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

सूरत फ्रांसीसियों की पहली फैक्ट्री थी इसलिए, केवल युग्म 3 सही सुमेलित है।

| यूरोपियन | वर्ष | स्थान |
|---|---|---|
| पुर्तगाली | 1500 | कालीकट |
| डच | 1605 | मसूलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) |
| ब्रिटिश | 1613 | सूरत |
| फ्रांसीसी | 1668 | सूरत |

**प्रश्न 2: अल्फोन्सो डी अल्बुकर्क के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. उसने ब्लू वाटर नीति की शुरुआत की।
2. उसने गोलकुंडा के सुल्तान से गोवा का अधिग्रहण किया।
3. उसने अपने क्षेत्र में सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो

(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

**कथन 1 गलत है:** अल्मेडा का दृष्टिकोण पुर्तगालियों को हिंद महासागर का स्वामी बनाना था। उसकी नीति को ब्लू वाटर पॉलिसी/नीली जल नीति (कार्टेज़ सिस्टम) के नाम से जाना जाता था।

**कथन 2 गलत है:** अल्बुकर्क ने 1510 में बीजापुर के सुल्तान से गोवा का अधिग्रहण किया।

**कथन 3 सही है:** अल्फोन्सो डी अल्बुकर्क को गोवा में सती प्रथा को समाप्त करने के लिए जाना जाता है। वह पूर्व में पुर्तगाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक था।

**प्रश्न 3: सत्रहवीं शताब्दी के 'गोल्डन फ़रमान' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. इसे फर्रुखसियर ने ईस्ट इंडिया कंपनी को दे दिया था ।
2. कंपनी को माल के परिवहन के लिए दस्तक (पास) जारी करने की अनुमति दी गई।
3. इस फरमान के द्वारा अंग्रेजों को दक्कन के सभी बंदरगाहों पर स्वतंत्र रूप से व्यापार करने की अनुमति दे दी गई।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (b)**

व्याख्या:

**कथन 1 गलत है** : 1632 में गोलकुंडा के सुल्तान द्वारा जारी किये गए 'गोल्डन फ़रमान' से अंग्रेजी कंपनी की स्थिति में सुधार हुआ।

**कथन 3 सही है:** इस प्रकार प्राप्त फ़रमान को कंपनी का मैग्नाकार्टा माना जाता था। उनकी महत्वपूर्ण शर्तें थीं-

1. बंगाल में, पहले तय किए गए 3,000 रुपये के वार्षिक भुगतान से अतिरिक्त कंपनी के आयात और निर्यात को किसी भी सीमा शुल्क से छूट दी गई थी।

2. कंपनी को ऐसे माल के परिवहन के लिए दस्तक (पास) जारी करने की अनुमति दी गई थी। **अतः, कथन 2 सही है**

3. कंपनी को कलकत्ता के आसपास और अधिक भूमि किराये पर लेने की अनुमति दी गई।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

**प्रश्न 4: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| रचना | लेखक |
| --- | --- |
| 1. हीर रांझा: | वारिस शाह |
| 2. रिसालो : | शाह अब्दुल लतीफ़ |
| 3. स्यमंतकम् : | कंचन नांबियार |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

**कथन 1 सही है** : पंजाबी साहित्य में रोमांटिक महाकाव्य हीर रांझा की रचना वारिस शाह ने की थी।

**कथन 2 सही है** : सिंधी साहित्य में, शाह अब्दुल लतीफ़ ने कविताओं के एक संग्रह, रिसालो की रचना की।

**कथन 3 सही है** : कंचन नांबियार एक प्रसिद्ध मलयालम कवि थे। उन्होंने स्यमन्तकम् की रचना की। दक्षिण भारत में मलयालम साहित्य त्रावणकोर शासकों के संरक्षण में पोषित हुआ।

**प्रश्न 5: इलाहाबाद की संधि के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. नवाब शुजा-उद-दौला ने इलाहाबाद और कड़ा को सम्राट शाह आलम द्वितीय को सौंपने पर सहमति व्यक्त की।
2. नवाब शुजा-उद-दौला ने बनारस के जमींदार बलवंत सिंह को अपनी संपत्ति का पूरा अधिकार देने पर सहमति व्यक्त की।
3. शाह आलम द्वितीय ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी देने का फरमान जारी करने पर सहमति व्यक्त की।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

रॉबर्ट क्लाइव द्वारा अगस्त 1765 में इलाहाबाद में दो महत्वपूर्ण संधियाँ की गयी- एक संधि अवध के नवाब के साथ जबकि दूसरी संधि मुगल सम्राट के साथ:

नवाब शुजा-उद-दौला द्वारा निम्न पर सहमति व्यक्त की गयी :

(i) नवाब इलाहाबाद और कड़ा क्षेत्र को सम्राट शाह आलम द्वितीय को सौंपने के लिए सहमत हो गया; **इस प्रकार कथन 1 सही है।**

(ii) नवाब शुजा-उद-दौला, बनारस के जमींदार बलवंत सिंह को अपनी संपत्ति का पूरा नियंत्रण देने के लिए सहमत हुआ; **इस प्रकार, कथन 2 सही है**

(iii) नवाब शुजा-उद-दौला ने युद्ध क्षतिपूर्ति के रूप में कंपनी को 50 लाख रुपये देने पर सहमति व्यक्त की।

शाह आलम द्वितीय ने निम्न पर सहमति व्यक्त की :

(i) शाह आलम द्वितीय द्वारा 26 लाख रुपये के वार्षिक भुगतान के बदले में ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी देने का फरमान जारी करने पर सहमति व्यक्त की गयी; **इस प्रकार, कथन 3 सही है**

(ii) वह कंपनी के संरक्षण में, अवध के नवाब द्वारा उसे सौंपे जाने वाले इलाहाबाद में रहने के लिए सहमत हो गया।

(iii) वह उक्त प्रांतों के निज़ामत कार्यों (सैन्य रक्षा, पुलिस और न्याय प्रशासन) के बदले में कंपनी को 53 लाख रुपये देने के प्रावधान पर सहमत हो गया।

**प्रश्न 6: हैदर अली के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. उसने डिंडीगुल में एक हथियार की फैक्ट्री स्थापित की।
2. प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध मैंगलोर की संधि के साथ समाप्त हुआ।
3. प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध में निज़ाम, मराठों और अंग्रेजों ने मिलकर उसके विरुद्ध गठबंधन स्थापित किया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है** हैदर अली ने डिंडीगुल (अब तमिलनाडु में) में एक हथियार कारखाना स्थापित करने के लिए फ्रांसीसियों की सहायता ली और अपनी सेना के लिए प्रशिक्षण के पश्चिमी तरीकों की भी शुरुआत की। वह 1761 तक सर्वाधिकारी (मुख्यमंत्री) के रूप में मैसूर के वास्तविक शासक बन गया।

- **कथन 2 गलत है** प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध 4 अप्रैल 1769 को मद्रास की संधि के साथ समाप्त हुआ।
- **कथन 3 सही है** : निज़ाम, मराठों और अंग्रेज़ों ने हैदर अली के ख़िलाफ़ एक साथ गठबंधन किया। उसने मराठों को तटस्थ बनाने के लिए उन्हें भुगतान किया तथा विजित प्रदेशों को निज़ाम के साथ साझा करने का वादा करते हुए, निज़ाम को अपना सहयोगी बना लिया। फिर उसने अर्काट के नवाब पर हमला करने के लिए निज़ाम की सहायता की।

**प्रश्न 7: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | **मराठा परिवार** | **क्षेत्र** |
|---|---|---|
| 1. | गायकवाड़ : | बड़ौदा |
| 2. | भोंसले : | इंदौर |
| 3. | होलकर : | नागपुर |
| 4. | सिंधिया : | ग्वालियर |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या:**

प्रमुख रूप से उभरने वाले मराठा परिवार -

(i) बड़ौदा के गायकवाड़,
(ii) नागपुर का भोंसले,
(iii) इंदौर के होल्कर,
(iv) ग्वालियर के सिंधिया,
(v) पूना के पेशवा

**प्रश्न 8: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | **मराठा परिवार** | **संधि** |
|---|---|---|
| 1. | भोंसले: | देवगांव की संधि |
| 2. | होलकर: | सुरजी-अंजनगांव की संधि |
| 3. | सिंधिया: | राजपुरघाट की संधि |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?
- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

1804 में, यशवंतराव होलकर ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए भारतीय शासकों का एक गठबंधन बनाने का प्रयास किया। लेकिन उसकी ये कोशिश असफल साबित हुई.

मराठा पराजित होकर ब्रिटिश अधीनता में आ गए और एक दूसरे से अलग-थलग हो गए।

**कथन 1 सही है:** भोंसले की हार हुई (17 दिसंबर, 1803, देवगांव की संधि) तथा रघुजी भोंसले द्वितीय ( बरार के मराठा राजा ) और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच सर आर्थर वेलेस्ली (बाद में वेलिंगटन के प्रथम ड्यूक) द्वारा संधि संपन्न हुई।

**कथन 2 गलत है:** होल्कर की हार (1806, राजपुरघाट की संधि)। यद्यपि यशवंत राव होल्कर को अपना खोया हुआ राज्य तो प्राप्त गया लेकिन उन्हें संधि के अनुसार बुन्देलखण्ड और चम्बल नदी के उत्तर पर अपना दावा छोड़ना पड़ा क्योंकि अंग्रेजों द्वारा उनसे वादा किया गया था कि वे मालवा और मेवाड़ में उनकी संपत्ति में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

**कथन 3 गलत है:** सिंधिया की हार (30 दिसंबर, 1803, सुराजी-अंजनगांव की संधि)। सिंधियाओं ने 1803 में सुरजी-अंजनगांव की संधि पर हस्ताक्षर किए जिसके माध्यम से अंग्रेजों को रोहतक, गंगा-यमुना दोआब, गुड़गांव, दिल्ली आगरा क्षेत्र, ब्रोच, गुजरात के कुछ जिले, बुंदेलखण्ड के कुछ हिस्से और अहमदनगर किले के क्षेत्र प्राप्त हुए।

**प्रश्न 9: सहायक संधि के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. होल्कर सहायक संधि को स्वीकार करने वाला पहला मराठा संघ था।
2. राजपूताना के जयपुर, जोधपुर और बूंदी राज्य ही एकमात्र ऐसे राज्य थे जिन्होंने सहायक संधि स्वीकार कर ली थी।
3. मैसूर सहायक संधि स्वीकार करने वाला पहला राज्य बना।

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?
- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

**सही उत्तर: (d)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 गलत है:** होल्कर सहायक संधि को स्वीकार करने वाले अंतिम मराठा थे
- **कथन 2 गलत है:** सहायक संधि स्वीकार करने वाले राज्यों में राजपूताना राज्य जोधपुर, जयपुर, बूंदी, माचेरी, भरतपुर, आदि थे।
- **कथन 3 गलत है:** हैदराबाद के निज़ाम सहायक संधि को स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति थे।

**प्रश्न 10: व्यपगत के सिद्धांत के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. लॉर्ड डलहौजी व्यपगत के सिद्धांत का प्रवर्तक था।
2. सिद्धांत में उल्लिखित किया गया कि दत्तक पुत्र अपने पालक पिता की निजी संपत्ति का उत्तराधिकारी हो सकता है, परन्तु राज्य का नहीं।
3. लॉर्ड डलहौजी ने व्यपगत के सिद्धांत के आधार पर अवध का अधिग्रहण किया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 गलत है:** लॉर्ड डलहौजी (1848-56), इसका प्रवर्तक नहीं था। यह संयोग ही था कि उसके गवर्नर-जनरल कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण मामले सामने आये जिनमें 'सिद्धांत' को लागू किया जा सका। डलहौजी ने इस नीति को लागू करने में बहुत अधिक उत्साह दिखाया।
- **कथन 2 सही है:** सिद्धांत में कहा गया कि दत्तक पुत्र अपने पालक पिता की निजी संपत्ति का उत्तराधिकारी हो सकता है, लेकिन राज्य का नहीं; यह निर्णय करना सर्वोपरि शक्ति (अंग्रेजों) का काम था कि राज्य को दत्तक पुत्र को सौंपा जाए या उसका अधिग्रहण किया जाए।
- **कथन 3 गलत है:** लॉर्ड डलहौजी ने कुशासन के आधार पर नवाब वाजिद अली शाह को पदच्युत करने के बाद 1856 में अवध को भी अधिग्रहित कर लिया।

**प्रश्न 11: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

**समाचार पत्र/पत्रिकाएँ:** **संस्थापक/संपादक**

1. द बंगाल गजट: जेम्स ऑगस्टस हिक्की
2. इंडिया गजट: आर. विलियम्स
3. इंडियन हेराल्ड: हेनरी लुईस विवियन डेरोजियो

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

1780 में जेम्स ऑगस्टस हिक्की द्वारा बंगाल गजट साप्ताहिक की शुरुआत की गई। इसलिए, केवल युग्म 2 सही है

- बंगाल गजट अखबार की शुरुआत 1780 में जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने की थी।
- इंडिया गजट की शुरुआत 1787 में हेनरी लुईस विवियन डेरोजियो ने की थी।
- इंडियन हेराल्ड की शुरुआत 1795 में आर. विलियम्स ने की थी।

**प्रश्न 12: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| **युद्ध** | **संधियाँ** |
|---|---|
| 1. आंग्ल-नेपाल युद्ध : | यंदाबो की संधि |
| 2. आंग्ल-अफगान युद्ध : | गंदमक की संधि |
| 3. आंग्ल-बर्मा युद्ध : | सुगौली की संधि |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

गंदमक की संधि द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध का परिणाम थी; अतः केवल युग्म 2 सही है।

- प्रथम आंग्ल -बर्मा युद्ध (1824-26) : यंदाबो की संधि
- द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध (1878-80): गंदमक की संधि

- आंग्ल-नेपाल युद्ध (1814-16): सुगौली की संधि (1816)

**प्रश्न 13: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | आंदोलन | आंदोलन के प्रकार |
|---|---|---|
| 1. | वहाबी आंदोलन : | पुनरुत्थानवादी आंदोलन |
| 2. | अलीगढ आन्दोलन : | सुधारवादी आन्दोलन |
| 3. | देवबंद आन्दोलन : | सुधारवादी आन्दोलन |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- सुधारवादी आंदोलनों ने मौजूदा संस्थानों के भीतर क्रमिक परिवर्तनों के माध्यम से समाज की मूलभूत व्यवस्था और संरचनाओं को बदलने का प्रयास किया ।
- पुनरुत्थानवादी आंदोलनों ने यह दर्शाया कि प्राचीन भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक विचार प्रगतिशील और तर्कवादी थे। पुनरुत्थानवादी आंदोलन का उद्देश्य पुराने सांस्कृतिक विचारों पर ध्यान केंद्रित करना था।
- **युग्म 1 सही है:** वहाबी आंदोलन एक पुनरुत्थानवादी आंदोलन था।
- **युग्म 2 सही है:** अलीगढ आंदोलन एक सुधारवादी आंदोलन था।
- **युग्म 3 गलत है:** देवबंद आंदोलन पुनरुत्थानवादी आंदोलन था।

**प्रश्न 14: 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के दौरान महिलाओं के प्रति लक्षित सामाजिक सुधारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. सरकार ने 1829 में सभी तीन प्रेसीडेंसी में सती प्रथा को अवैध घोषित कर दिया।
2. 1795 और 1804 के बंगाल रेग्युलेशन ने शिशुहत्या को अवैध और हत्या के बराबर घोषित किया।
3. करसोनदास मुलजी ने कन्या भ्रूण हत्या का समर्थन करने के लिए सत्य प्रकाश की शुरुआत की।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

**कथन 1 ग़लत है:** 1829 का रेग्युलेशन (बंगाल कोड का रेगुलेशन XVII,1829 ई.) पहले केवल बंगाल प्रेसीडेंसी पर लागू था, लेकिन 1830 में थोड़े संशोधित रूपों में इसे मद्रास और बॉम्बे प्रेसीडेंसी पर भी लागू दिया गया।

**कथन 2 सही है** : 1795 और 1804 के बंगाल रेग्युलेशन ने शिशुहत्या को अवैध और हत्या के बराबर घोषित किया। 1870 में पारित एक अधिनियम में माता-पिता के लिए सभी शिशुओं के जन्म का पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया गया और जन्म के बाद कुछ वर्षों तक कन्या शिशु के सत्यापन का प्रावधान किया, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां इस प्रथा में अत्यंत गोपनीयता अपनाई जाती थी ।

**कथन 3 ग़लत है:** करसोनदास मुलजी ने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन करने के लिए 1852 में गुजराती में सत्य प्रकाश की शुरुआत की।

**प्रश्न 15: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | **संस्थापक** | **महिला संगठन** |
|---|---|---|
| 1. | सरला देवी चौधरानी: | भारत स्त्री मंडल |
| 2. | रमाबाई रानाडे: | आर्य महिला समाज |
| 3. | पंडिता रमाबाई सरस्वती: | भारत महिला परिषद |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

**युग्म 1 सही है** : सरला देवी चौधरानी ने 1910 में भारत स्त्री मंडल की स्थापना की। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य महिला शिक्षा था।

**युग्म 2 गलत है** : रमाबाई रानाडे ने भारत महिला परिषद की स्थापना की। संगठन का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में काम करना और उनकी शिक्षा और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना था। संगठन ने बाल विवाह और सती प्रथा के उन्मूलन की दिशा में भी काम किया।

**युग्म 3 गलत है** : पंडिता रमाबाई सरस्वती ने प्रत्येक महिला को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए सशक्त और शिक्षित करने के लिए आर्य महिला समाज की स्थापना की।

**प्रश्न 16: राजा राममोहन राय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

कथन I: उन्होंने एकेश्वरवादियों को उपहार (1809) पुस्तक लिखी।

कथन II: उन्होंने वेदांत के एकेश्वरवादी विचार का प्रचार किया।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा एक सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है

(c) कथन-I सही है कथन-II गलत है

(d) कथन-I गलत है कथन-II सही है

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है :** उन्होंने 'एकेश्वरवादियों को उपहार' (1809) पुस्तक लिखी और अपने दृढ़ विश्वास को साबित करने के लिए वेदों और पांच उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया कि प्राचीन हिंदू ग्रंथ एकेश्वरवाद का समर्थन करते हैं।
- **कथन 2 सही है** : रॉय के प्रगतिशील विचारों को राजा राधाकांत देब जैसे रूढ़िवादी तत्वों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने ब्रह्म समाज के प्रचार का मुकाबला करने के लिए धर्म सभा का आयोजन किया था। वे सती प्रथा, बहुदेववाद, मूर्ति पूजा, जाति व्यवस्था आदि के विरोधी थे।
- इसलिए, कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है।

**प्रश्न 17: ईश्वर चंद्र विद्यासागर के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है:**

(a) वे बाल विवाह के विरोधी थे।

(b) उन्होंने विधवा पुनर्विवाह के समर्थन में एक आंदोलन चलाया जिसके परिणामस्वरूप विधवा पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता प्राप्त हुई।

(c) उन्होंने साधारण ब्रह्म समाज का गठन किया।

(d) वे जाति प्रथा के विरोधी थे।

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है:** विद्यासागर बाल विवाह, पर्दा प्रथा, बहुविवाह आदि के खिलाफ थे।
- **कथन 2 सही है** : विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह के समर्थन में एक आंदोलन शुरू किया जिसके परिणामस्वरूप 1855 में विधवा पुनर्विवाह को वैधता प्राप्त हुई।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- **कथन 3 गलत है:** उनके अनुयायी ने 1866 के आदि ब्रहम समाज से अलग होने के बाद 1878 में साधारण ब्रहम समाज का गठन किया।
- **कथन 4 सही है:** ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने सभी पुरुषों और महिलाओं को उनकी जाति, धर्म और लिंग के आधार पर भेदभाव के बिना समान शिक्षा प्रदान करने के लिए अंतहीन काम किया, वह जाति व्यवस्था के खिलाफ थे।

**प्रश्न 18: गोपाल गणेश अगरकर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. वह डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी और फर्ग्यूसन कॉलेज के सह-संस्थापक थे।
2. वह केसरी के प्रथम संपादक थे।
3. उन्होंने बॉम्बे नेटिव जनरल लाइब्रेरी की स्थापना की।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1,2 और 3

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

**कथन 1 सही है:** गोपाल गणेश अगरकर न्यू इंग्लिश स्कूल, डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी और फर्ग्यूसन कॉलेज के सह-संस्थापक थे।

**कथन 2 सही है:** वह 1880-1881 में लोकमान्य तिलक द्वारा स्थापित साप्ताहिक समाचार पत्र केसरी के पहले संपादक थे।

**कथन 3 गलत है:** बालशास्त्री जम्भेकर ने बॉम्बे नेटिव जनरल लाइब्रेरी की स्थापना की और नेटिव इम्प्रूवमेंट सोसाइटी की शुरुआत की, जिसकी एक शाखा स्टूडेंट्स लिटरेरी एंड साइंटिफिक लाइब्रेरी थी।

**प्रश्न 19: प्रेस अधिनियम, 1799 की सेंसरशिप के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है:**

(a) लार्ड वेलेजली ने सभी समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लगा दी।
(b) प्रकाशक को प्री-सेंसरशिप के लिए सभी सामग्री सरकार के सचिव को सौंपनी होगी।
(c) बाद में इस अधिनियम को पत्रिकाओं, पुस्तिकाओं और पुस्तकों पर भी लागू कर दिया गया।
(d) राजा राममोहन राय के मिरात-उल-अकबर को प्रकाशन बंद करना पड़ा।

**सही उत्तर: (d)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है:** लॉर्ड वेलेस्ली ने भारत पर फ्रांसीसी आक्रमण की आशंका से इसे लागू किया था। इसने प्री-सेंसरशिप सहित लगभग युद्धकालीन प्रेस प्रतिबंध लगा दिए। वेलेजली ने सभी समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लगा दी।
- **कथन 2 सही है:**

अधिनियम के विनियमन

समाचार पत्र को प्रत्येक अंक में मुद्रक, संपादक और स्वामी का नाम स्पष्ट रूप से छापना होगा;

प्रकाशक को प्री-सेंसरशिप के लिए सभी सामग्री सरकार के सचिव को सौंपनी होगी।

- **कथन 3 सही है** : 1807 में सेंसरशिप अधिनियम के अंतर्गत पत्रिकाओं, पैम्फलेटों और यहां तक कि किताबों तक भी शामिल कर दिया गया था।
- **कथन 4 गलत है:** मिरात-उल-अकबर ने लाइसेंसिंग विनियम, 1823 के तहत प्रकाशन बंद कर दिया।

**प्रश्न 20: 1857 के विद्रोह के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

कथन I: यह सामंती सरदारों के नेतृत्व में और व्यापक विदेशी विरोधी भावनाओं से समर्थित एक सामंती विद्रोह था।

कथन II: नेहरू ने बताया कि सामंती प्रमुख असंगठित थे और उनके पास कोई रचनात्मक विचार नहीं था।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा एक सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है

(c) कथन-I सही है कथन-II गलत है

(d) कथन-I गलत है कथन-II सही है

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है:** पं. जवाहरलाल नेहरू ने 1857 के विद्रोह के बारे में लिखा, "यह एक सामंती विद्रोह था जिसका नेतृत्व सामंती प्रमुखों और उनके अनुयायियों ने व्यापक विदेशी विरोधी भावना से किया था।
- **कथन 2 सही है** : नेहरू ने विद्रोह के ग्रामीण आधार का उल्लेख किया और बताया कि यहां तक कि सामंती प्रमुख भी असंगठित थे और उनके पास कोई रचनात्मक आदर्श या हित का समुदाय नहीं था।
- **इसलिए, कथन II, कथन I की सही व्याख्या है।**

**प्रश्न 21: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| **पुस्तकें :** | **लेखक** |
|---|---|
| 1. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम : | वीडी सावरकर |
| 2. 1857 के विद्रोहियों का धर्म एवं विचारधारा : | एसएन सेन |
| 3. 1857 : | इक़बाल हुसैन |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

- **युग्म 1 सही है**: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम वीडी सावरकर द्वारा लिखी गयी है और इसकी व्याख्या "राष्ट्रीय स्वतंत्रता के नियोजित युद्ध" के रूप में की गई है।
- **युग्म 2 गलत है:** 1857 के विद्रोहियों का धर्म और विचारधारा इकबाल हुसैन द्वारा लिखी गई है।
- **युग्म 3 गलत है:** 1857 एसएन सेन द्वारा लिखी गई है, सेन मानते हैं कि विद्रोह की शुरुआत धर्म के लिए लड़ाई के रूप में हुई थी लेकिन इसका अंत स्वतंत्रता संग्राम के रूप में हुआ। **अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।**

**प्रश्न 22: प्रार्थना समाज के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

कथन I. डीके कर्वे ने प्रार्थना समाज की स्थापना की।
कथन II. यह एक सुधारवादी आंदोलन था।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
(c) कथन-I सही है कथन-II गलत है
(d) कथन-I गलत है कथन-II सही है

**सही उत्तर: (d)**

**व्याख्या:**

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- **कथन I गलत है:** 1867 में, केशव चंद्र सेन ने आत्माराम पांडुरंग को बॉम्बे में प्रार्थना समाज की स्थापना में मदद की। इसका जोर एकेश्वरवाद पर था, लेकिन कुल मिलाकर, समाज धर्म की तुलना में सामाजिक सुधारों से अधिक चिंतित था।
- **कथन II सही है:** प्रार्थना समाज एक सुधारवादी आंदोलन था जिसने समकालीन सामाजिक और सांस्कृतिक प्रणालियों और धार्मिक मान्यताओं के बीच संबंधों की आलोचनात्मक जांच की और सामाजिक सुधारों को प्राथमिकता दी। प्रार्थना समाज, शिक्षा और अनुनय पर निर्भर था, न कि हिंदू रूढ़िवादिता के साथ टकराव पर।

**प्रश्न 23: ज्योतिराव फुले के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. उन्होंने 'मनुस्मृति' को अस्वीकार कर दिया और हिंदू धर्मग्रंथों की निंदा की।
2. उन्हें पूना नगर समिति के सदस्य के रूप में चुना गया।
3. वे 'केशवपन' की अमानवीय प्रथा के विरोधी थे।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या**

- महाराष्ट्र के सतारा में जन्मे ज्योतिबा फुले (1827-1890) माली (माली) समुदाय से थे और उन्होंने ऊंची जाति के वर्चस्व और ब्राह्मणवादी वर्चस्व के खिलाफ एक शक्तिशाली आंदोलन चलाया था।
- **कथन 1 सही है:** फुले ने वेदों का विरोध किया और विवाह और धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान ब्राह्मण पुजारी की भूमिका स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने 'मनुस्मृति' को अस्वीकार कर दिया और हिंदू धर्मग्रंथों की निंदा की। उनका मानना था कि धार्मिक पुस्तकों की रचना ब्राह्मणों ने अपने स्वार्थ के लिए की थी।
- **कथन 2 सही है:** ज्योतिराव फुले को 1876 में पूना नगर समिति के सदस्य के रूप में भी चुना गया था।
- **कथन 3 सही है:** वह 'केशवपन' (विधवा के बाल काटना) की अमानवीय प्रथा के खिलाफ थे। इस संबंध में उन्होंने नाइयों की हड़ताल आयोजित की। विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा देने के कारण उन्हें रूढ़िवादी लोगों के हाथों कष्ट सहना पड़ा, फिर भी उन्होंने इसे बढ़ावा देने के अपने प्रयास जारी रखे।
- सत्यशोधक समाज के मुख्य उद्देश्य थे:
  - समाज सेवा, और

- महिलाओं और निचली जाति के लोगों के बीच शिक्षा का प्रसार।

**प्रश्न 24: स्वामी विवेकानन्द के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. वह नव-हिंदू धर्म के प्रचारक के रूप में उभरे।
2. उनका मिशन परमार्थ (सेवा) और व्यवहार (व्यवहार) के बीच की खाई को पाटना था।
3. उन्होंने सेवा के सिद्धांत की वकालत की।

उपर्युक्त में से कितने कथन ***गलत हैं*** ?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (d)**
**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है:** वह नव-हिंदू धर्म के प्रचारक के रूप में उभरे। रामकृष्ण के कुछ आध्यात्मिक अनुभव, उपनिषद और गीता की शिक्षाएँ और बुद्ध और यीशु के उदाहरण मानवीय मूल्यों के बारे में दुनिया को दिए गए विवेकानन्द के संदेश का आधार हैं।
- **कथन 2 सही है** उन्होंने वेदांत के अनुयायी बने जिसे वे एक श्रेष्ठ दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से तर्कसंगत प्रणाली मानते थे। उनका मिशन परमार्थ (सेवा) और व्यवहार (व्यवहार) और आध्यात्मिकता और दैनिक जीवन के बीच की खाई को पाटना था।
- **कथन 3 सही है:** विवेकानन्द ने सेवा के सिद्धांत - सभी प्राणियों की सेवा - का समर्थन किया । जीव (जीवित वस्तुओं) की सेवा ही शिव की पूजा है। **अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।**

**प्रश्न 25: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | **पुस्तक :** | **लेखक** |
|---|---|---|
| 1. | सत्यार्थ प्रकाश : | एमजी रानाडे |
| 2. | गुलामगिरी : | ज्योतिराव फुले |
| 3. | उच्च जाति की | ज्योतिबा बाई फुले |
| 4. | हिंदू महिलाएँ: | |

उपर्युक्त में से कितने युग्म ***गलत हैं*** ?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- **युग्म 1 गलत है:** "सत्यार्थ प्रकाश" (सत्य का प्रकाश) दयानंद सरस्वती द्वारा लिखा गया था जिसमें उनके द्वारा वेदों की व्याख्या की गयी थी।
- **युग्म 2 सही है:** "गुलामगिरी" पुस्तक ज्योतिराव फुले द्वारा निचली जाति के शोषण के बारे में लिखी गई थी।
- **युग्म 3 सही है:** "उच्च जाति की हिंदू महिलाएं" पंडिता रमाबाई द्वारा लिखी गई थी।
- **अतः, (b) सही विकल्प है।**

**प्रश्न 26: सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह देश का पहला धर्मनिरपेक्ष संगठन था।
2. इसने "हितवाद" समाचार पत्र का प्रकाशन शुरू किया।
3. गोखले की मृत्यु के बाद श्रीनिवास शास्त्री ने अध्यक्ष पद संभाला।

उपर्युक्त में से कितने कथन ***गलत हैं***?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) 1,2 और 3
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (d)**

**व्याख्या**

- **कथन 1 सही है :** गोपाल कृष्ण गोखले (1866-1915), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक उदार नेता, द्वारा सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना की गयी। यह देश का पहला धर्मनिरपेक्ष संगठन था जो वंचितों, ग्रामीण और आदिवासी लोगों, आपातकालीन राहत कार्यों, साक्षरता और अन्य सामाजिक मुद्दों के लिए समर्पित था।
- **कथन 2 सही है** : 1911 में, सोसाइटी के विचारों को प्रस्तुत करने के लिए "हितवाद" का प्रकाशन शुरू हुआ। सोसाइटी ने राजनीतिक गतिविधियों और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसे संगठनों से अलग रहना चुना।
- **कथन 3 सही है:** गोखले की मृत्यु (1915) के बाद, श्रीनिवास शास्त्री ने अध्यक्ष का पद संभाला। भारत में कई स्थानों पर, सोसाइटी अभी भी सिकुड़े हुए आधार के साथ काम कर रही है।

**प्रश्न 27: आर्य समाज के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

1. इसमें पूर्वजों की पूजा की निंदा की गई।
2. समाज पशुबलि के विरुद्ध था।
3. दयानंद कर्म और पुनर्जन्म के सिद्धांत में विश्वास करते थे।
4. समाज बहुदेववाद में विश्वास करता था।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल 3 और 4
(b) केवल 1,2 और 3
(c) केवल 1,2 और 4
(d) 1,2,3 और 4

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या**

- **कथन 1 सही है:** आर्य समाज आंदोलन, स्वरूप में पुनरुत्थानवादी, हालांकि विषय में नहीं, पश्चिमी प्रभावों की प्रतिक्रिया का परिणाम था, यह पूर्वजों की पूजा, बाल विवाह, मूर्ति पूजा, जाति व्यवस्था आदि के खिलाफ था।
- **कथन 2 सही है:** आर्य समाज धर्म के नाम पर पशु बलि के खिलाफ था।
- **कथन 3 सही है:** दयानंद कर्म और पुनर्जन्म के सिद्धांत में विश्वास करते थे। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अच्छे कर्म मुख्य रूप से दूसरों की भलाई के लिए होने चाहिए न कि स्वयं के लिए।
- **कथन 4 गलत है:** वह वेदों में पाए जाने वाले एक ईश्वर (एकेश्वरवाद) के अस्तित्व में दृढ़ता से विश्वास करते थे। हिंदू समाज को ईसाई धर्म और इस्लाम के हमले से बचाने के अपने उत्साह में, समाज ने ईसाई और इस्लाम में धर्मांतरित लोगों को फिर से हिंदू बनाने के लिए शुद्धि (शुद्धिकरण) आंदोलन शुरू किया।

**प्रश्न 28: सर सैयद अहमद खान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. वह 1878 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य बने।
2. उन्होंने 1888 में नाइटहुड की उपाधि अर्जित की।
3. वह 'व्यावहारिक नैतिकता' के मूल सिद्धांत में विश्वास करते थे।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

- वह एक उत्साही शिक्षाविद् भी थे - एक अधिकारी के रूप में, उनके द्वारा कस्बों में स्कूल खोले गए, पुस्तकों का उर्दू में अनुवाद कराया गया और 1875 में अलीगढ़ में मोहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज (बाद में, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय) शुरू किया गया।
- **कथन 1 सही है:** एक सम्मानित मुस्लिम परिवार में जन्मे सैयद अहमद खान ब्रिटिश सरकार की न्यायिक सेवा के एक वफादार सदस्य थे। 1876 में सेवानिवृत्ति के बाद, वह 1878 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य बने।
- **कथन 2 सही है** : अंग्रेजों के प्रति उनकी वफादारी ने उन्हें 1888 में नाइटहुड की उपाधि दिलाई
- **कथन 3 सही है:** वह धर्मों की मूलभूत अंतर्निहित एकता या 'व्यावहारिक नैतिकता' में विश्वास करते थे। उन्होंने हिंदू और मुस्लिम हितों की बुनियादी समानता का भी प्रचार किया।

**प्रश्न 29: रहनुमाई माजदयासन सभा के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. सभा का गठन पारसी धर्म की प्राचीन शुद्धता की बहाली के लिए किया गया था।
2. यह संदेश "राष्ट्र गोफ्तार "समाचार पत्र द्वारा फैलाया गया था।
3. इस आंदोलन के संस्थापक नेता नौरोजी फुरदोनजी, एमजी रानाडे और एसएस बंगाली थे।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या**

- रहनुमाई माजदयासन सभा (धार्मिक सुधार संघ) की स्थापना 1851 में अंग्रेजी-शिक्षित पारसियों के एक समूह द्वारा की गई थी।
- **कथन 1 सही है:** "पारसियों की सामाजिक स्थितियों का उत्थान और पारसी धर्म की प्राचीन शुद्धता की बहाली"।
- **कथन 2 सही है** : सुधार का संदेश समाचार पत्र "राष्ट्र गोफ्तार" (सच्चाई बताने वाला) द्वारा फैलाया गया था।
- **कथन 3 गलत है:** इस आंदोलन के नेता नौरोजी फुरदोनजी, दादाभाई नैरोजी, केआर कामा और एसएस बंगाली थे।

**प्रश्न 30: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| आंदोलन: | नेता |
|---|---|
| 1. 1 स्वाभिमान आंदोलन: | सीएन मुदलियार |
| 2. न्याय आंदोलन: | श्री नारायण गुरु |
| 3. मंदिर प्रवेश आंदोलन: | ईवी रामास्वामी नायकर |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) 1,2 और 3
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (d)**

**व्याख्या:**

- **युग्म 1 गलत है** : ईवी रामास्वामी नायकर के नेतृत्व में स्वाभिमान आंदोलन चलाया गया। आंदोलन का लक्ष्य ब्राह्मणवादी धर्म और संस्कृति को अस्वीकार करना था, जिसे नायकर निचली जातियों के शोषण के प्राथमिक उपकरण के रूप में देखते थे।
- **युग्म 2 गलत है** : सी.एन. मुदलियार, टी.एम नायर और पी. त्यागराज के नेतृत्व में न्याय आंदोलन चलाया गया। इसका लक्ष्य ब्राह्मणवादी धर्म और संस्कृति को अस्वीकार करना था, जिसे नायकर निचली जातियों के शोषण के प्राथमिक उपकरण के रूप में देखते थे।
- **युग्म 3 गलत है** : श्री नारायण गुरु और एन कुमारन आसन, टीके माधवन के नेतृत्व में मंदिर प्रवेश आंदोलन चलाया गया। जाति उत्पीड़न से लड़ने के लिए यह गांधीवादी या राष्ट्रवादी दृष्टिकोण था।

**प्रश्न 31: थियोसोफिकल आंदोलन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. इसने पुनर्जन्म और कर्म में हिंदू मान्यताओं को स्वीकार किया।
2. इसने उपनिषदों, सांख्य, योग और वेदांत विचारधारा के दर्शन से प्रेरणा ली।
3. एनी बेसेंट ने थियोसोफिकल सिद्धांतों के आधार पर सेंट्रल हिंदू कॉलेज की स्थापना की।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है:** थियोसोफ़िअल सोसाइटी का मानना था कि चिंतन, प्रार्थना, रहस्योद्घाटन आदि के माध्यम से किसी व्यक्ति की आत्मा और ईश्वर के बीच एक विशेष संबंध स्थापित किया जा सकता है। इसने पुनर्जन्म और कर्म में हिंदू मान्यताओं को स्वीकार किया।
- **कथन 2 सही है:** सोसाइटी ने उपनिषदों और सांख्य, योग और वेदांत विचारधारा के दर्शन से प्रेरणा ली। इसका उद्देश्य नस्ल, पंथ, लिंग, जाति या रंग के भेदभाव के बिना मानवता के सार्वभौमिक भाईचारे के लिए काम करना था।
- **कथन 3 सही है:** एनी बेसेंट ने बनारस में सेंट्रल हिंदू कॉलेज (सीएचसी) नामक एक नए लड़कों के स्कूल की स्थापना की, जो थियोसोफिकल सिद्धांतों पर आधारित था।
- **अतः विकल्प (a) सही उत्तर है**

**प्रश्न 32: 1773 के रेगुलेटिंग एक्ट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. इसने केंद्रीकृत प्रशासन की शुरुआत की।
2. प्रशासन का संचालन गवर्नर जनरल सहित 4 सदस्यीय निकाय द्वारा किया जाना था।
3. बंगाल में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना का प्रावधान था।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या**

- **कथन 1 सही है:** इसने माना कि भारत में कंपनी की भूमिका केवल व्यापार से परे प्रशासनिक और राजनीतिक क्षेत्रों तक फैली हुई है, और केंद्रीकृत प्रशासन के तत्व की शुरुआत की।
- **कथन 2 गलत है:** बंगाल में, प्रशासन गवर्नर-जनरल और नागरिक और सैन्य सरकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले 4 सदस्यों वाली एक परिषद द्वारा चलाया जाना था।
- **कथन 3 सही है:** मूल और अपीलीय क्षेत्राधिकार के साथ बंगाल में एक सर्वोच्च न्यायपालिका की स्थापना की जानी थी जहाँ सभी विषय निवारण की मांग कर सकते थे।

**प्रश्न 33: लॉर्ड कॉर्नवालिस के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. उसने भू-राजस्व का स्थायी बंदोबस्त शुरू किया।
2. उसने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाने स्थापित किए।
3. वह चौथे आंग्ल-मैसूर युद्ध के दौरान गवर्नर जनरल था।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

**लॉर्ड कार्नवालिस:**

- **कथन 1 सही है:** कॉर्नवालिस कोड (1793) में कई न्यायिक सुधार और राजस्व प्रशासन और नागरिक क्षेत्राधिकार को अलग करना शामिल है। बंगाल का स्थायी बंदोबस्त, 1793।
- **कथन 2 सही है:** प्रशासनिक मशीनरी का यूरोपीयकरण और नागरिक सेवाओं की शुरूआत। उसने कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाने की स्थापना की। उसकी प्रशासन पद्धति को 'कॉर्नवालिस प्रणाली' या '1793 की प्रणाली' के गरिमामय नाम से याद किया जाता है।
- **कथन 3 गलत है:** कॉर्नवालिस तीसरे एंग्लो-मैसूर युद्ध (1790-92) और सेरिंगा-पट्टम की संधि (1792) के दौरान गवर्नर जनरल था।

**प्रश्न 34: चार्टर अधिनियम 1793 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. कंपनी द्वारा ब्रिटिश सरकार को सालाना 5 लाख पाउंड का भुगतान किया जाना था।
2. राजस्व प्रशासन को न्यायपालिका के कार्यों से अलग कर दिया गया।
3. कंपनी को व्यक्तियों को नहीं बल्कि अन्य कंपनियों को लाइसेंस देने का अधिकार था।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या**

- **कथन 1 सही है:** कंपनी को भारतीय राजस्व से आवश्यक खर्च, ब्याज, लाभांश, वेतन आदि का भुगतान करने के बाद, ब्रिटिश सरकार को सालाना 5 लाख पाउंड का भुगतान करना था।
- **कथन 2 सही है:** राजस्व प्रशासन को न्यायपालिका के कार्यों से अलग कर दिया गया था

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- **कथन 3 गलत है:** कंपनी को भारत में व्यापार करने के लिए व्यक्तियों के साथ-साथ कंपनी के कर्मचारियों को भी लाइसेंस देने का अधिकार था। लाइसेंस, जिन्हें 'विशेषाधिकार' या 'देश व्यापार' के रूप में जाना जाता है, ने चीन को अफ़ीम की खेप भेजने का मार्ग प्रशस्त किया।
- गवर्नर-जनरल, गवर्नरों और कमांडर-इन-चीफ की नियुक्ति के लिए शाही मंजूरी अनिवार्य थी।
- कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को बिना अनुमति के भारत छोड़ने से रोक दिया गया - ऐसा करने को इस्तीफा देने के समान माना गया।

**प्रश्न 35: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| **भू-राजस्व प्रणाली :** | **संस्थापक** |
|---|---|
| 1. जमींदारी प्रथा : | लॉर्ड कार्नवालिस |
| 2. महालवाड़ी व्यवस्था : | थॉमस मुनरो |
| 3. रैय्यतवारी प्रणाली: | हॉल्ट मैकेंज़ी |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**
**व्याख्या**

- **कथन 1 सही है:** जमींदारी प्रणाली 1793 में स्थायी बंदोबस्त अधिनियम के तहत लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा शुरू की गई थी। जमींदारी प्रणाली के तहत, जमींदारों माने जाने वाले बिचौलियों द्वारा किसानों से भूमि राजस्व एकत्र किया जाता था।
- जमींदारों द्वारा एकत्र किए गए कुल भू-राजस्व में सरकार का हिस्सा 10/11वां और जमींदारों के लिए 1/11वां हिस्सा रखा गया था। यह प्रणाली पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा में सबसे अधिक प्रचलित थी।
- **कथन 2 गलत है:** महालवाड़ी प्रणाली 1822 में हॉल्ट मैकेंज़ी द्वारा शुरू की गई थी। महालवाड़ी प्रणाली का प्रभाव क्षेत्र बंगाल प्रेसीडेंसी के उत्तर-पश्चिमी प्रांत हैं। पूरे गाँव को 'महाल' नामक एक बड़ी इकाई बनाया गया।
- **कथन 3 गलत है:** रैयतवारी प्रणाली 1820 में मद्रास के गवर्नर थॉमस मुनरो द्वारा शुरू की गई थी। सरकार और व्यक्तिगत कृषक के तहत एक सीधा समझौता किया गया था जिसे रैयत कहा जाता था। प्रभाव क्षेत्र मद्रास, बम्बई, असम था।

**प्रश्न 36: वुड्स डिस्पैच के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

1. इसे भारत में अंग्रेजी शिक्षा का "मैग्नाकार्टा" माना जाता है।
2. इसने स्कूलों के लिए शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी की सिफारिश की।
3. इसमें महिला शिक्षा पर जोर दिया गया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है:** 1854 में, चार्ल्स वुड ने भारत के लिए एक शैक्षिक प्रणाली पर एक प्रेषण तैयार किया। "भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्नाकार्टा" माना जाने वाला यह दस्तावेज़ भारत में शिक्षा के प्रसार के लिए पहली व्यापक योजना थी।
- **कथन 2 गलत है** : इसने उच्च शिक्षा अध्ययन के लिए शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी और स्कूल स्तर पर स्थानीय भाषा की सिफारिश की।
- इसमें कहा गया कि सरकारी संस्थानों में दी जाने वाली शिक्षा धर्मनिरपेक्ष होनी चाहिए।
- इसमें निजी उद्यम को प्रोत्साहित करने के लिए सहायता अनुदान की एक प्रणाली की सिफारिश की गयी।
- **कथन 3 सही है** इसमें महिला और व्यावसायिक शिक्षा और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर जोर दिया गया।

**प्रश्न 37: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. सत्येन्द्र नाथ टैगोर भारतीय सिविल सेवा उत्तीर्ण करने वाले पहले भारतीय बने।
2. लॉर्ड लिटन ने वैधानिक सिविल सेवा की शुरुआत की जिसमें भारतीयों द्वारा भरे जाने वाले एक तिहाई अनुबंधित पद शामिल थे।
3. 1806 में ईस्ट इंडिया कॉलेज को इंग्लैंड के हेलीबरी में स्थानांतरित कर दिया गया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है** : 1863 में, सत्येन्द्र नाथ टैगोर भारतीय सिविल सेवा उत्तीर्ण करने वाले पहले भारतीय बने।
- **कथन 2 ग़लत है:** लॉर्ड लिटन ने वैधानिक सिविल सेवा की शुरुआत की जिसमें भारतीयों द्वारा भरे जाने वाले अनुबंधित पदों का छठा हिस्सा शामिल था।
- **कथन 3 सही है:** 1806 में वेलेस्ली के कॉलेज को कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स ने अस्वीकार कर दिया था और इसके बजाय इंग्लैंड में हैलेबरी में ईस्ट इंडिया कॉलेज की स्थापना की गई थी। **अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है**

**प्रश्न 38: वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (वीपीए) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. जिला मजिस्ट्रेट को किसी भी समाचार पत्र के प्रकाशक को सरकार के खिलाफ असंतोष पैदा नहीं करने के लिए तलब करने का अधिकार दिया गया था।
2. इसे गैगिंग अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है।
3. वीपीए से बचने के लिए अमृत बाजार रातों-रात अंग्रेजी अखबार में बदल गया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या**

- **कथन 1 गलत है** : यह प्रावधान सभी समाचार पत्रों के लिए न होकर स्थानीय समाचार पत्रों के लिए था। मजिस्ट्रेट की कार्रवाई अंतिम थी और अदालत में कोई अपील नहीं की जा सकती थी।
- **कथन 2 सही है** : वर्नाक्यूलर प्रेस अधिनियम में प्रेस पर बहुत सारे प्रतिबंध थे। इसलिए, प्रेस का मुंह बंद कर दिया गया।
- **कथन 3 सही है** : अमृत बाज़ार पत्रिका एक स्थानीय भाषा का समाचार पत्र था और स्थानीय भाषा प्रेस अधिनियम 1978 से बचने के लिए यह अंग्रेजी समाचार पत्र बन गया। इस अधिनियम का कड़ा विरोध हुआ और अंततः रिपन ने इसे 1882 में निरस्त कर दिया।

**प्रश्न 39: हंटर आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. इसकी नियुक्ति वुड्स डिस्पैच के बाद से शिक्षा की प्रगति की समीक्षा करने के लिए की गई थी।
2. इसकी सिफ़ारिशें उच्च शिक्षा तक ही सीमित थीं।

3. आयोग ने महिला शिक्षा के लिए अपर्याप्त सुविधाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या**

- **कथन 1 सही है** : 1882 में, सरकार ने 1854 के वुड्स डिस्पैच के बाद से देश में शिक्षा की प्रगति की समीक्षा के लिए डब्ल्यूडब्ल्यू हंटर की अध्यक्षता में एक आयोग नियुक्त किया।
- **कथन 2 गलत है** : हंटर आयोग ने अपनी सिफ़ारिशों को अधिकतर प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा तक ही सीमित रखा।
- **कथन 3 सही है** : इसने विशेषकर प्रेसीडेंसी शहरों के बाहर महिला शिक्षा के लिए अपर्याप्त सुविधाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया और इसके प्रसार के लिए सिफारिशें कीं।

**प्रश्न 40: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | **समाचारपत्र/जर्नल** | **लेखक** |
|---|---|---|
| 1. | संजीबनी | एनएम लोखंडे |
| 2. | इंडियन मिरर | कृष्ण कुमार मित्रा |
| 3. | दीनबंधु | देवेन्द्र नाथ टैगोर |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (d)**

**व्याख्या:**

- **युग्म 1 गलत है** : "संजीबनी" अखबार की स्थापना 1883 में कृष्ण कुमार मित्रा ने की थी, यह बंगाल के विभाजन की घोषणा करने वाला पहला समाचार पत्र था
- **युग्म 2 गलत है** : "इंडियन मिरर" समाचार पत्र की स्थापना 1862 में देवेन्द्र नाथ टैगोर ने की थी, जो अंग्रेजी में पहला भारतीय दैनिक समाचार पत्र था।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- **युग्म 3 गलत है** : "दीनबंधु" (मराठी समाचार पत्र) की स्थापना 1877 में एनएम लोखंडे ने की थी। इसलिए, विकल्प (d) सही उत्तर है।

**प्रश्न 41: अकाल आयोगों के बारे में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:**

1. रिचर्ड स्ट्रेची आयोग
2. लॉयल आयोग
3. एचिसन आयोग
4. एंथनी मैक्डोनेल आयोग।

उपर्युक्त में से कितने कथन ***गलत हैं*** ?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**
**व्याख्या:**

- **कथन 3 ग़लत है:** एचिसन आयोग (1886) लॉर्ड डफ़रिन द्वारा स्थापित एक सार्वजनिक सेवा आयोग है।
- अन्य तीन अकाल आयोग हैं:
- **कथन 1 सही है:** 1878 में लॉर्ड लिटन द्वारा स्थापित रिचर्ड स्ट्रेची आयोग पहला अकाल आयोग था।
- **कथन 2 सही है:** 1897 में अकाल के लिए सर जेम्स लॉयल आयोग की स्थापना की गई थी, इसने सिंचाई सुविधाओं के विकास की सिफारिश की थी।
- **कथन 4 सही है:** पिछले आयोग की रिपोर्ट में बदलावों की सिफारिश करने और पुनर्मूल्यांकन करने के लिए 1900 में लॉर्ड कर्जन के तहत एंथनी मैकडॉनेल आयोग की स्थापना की गई थी।

**प्रश्न 42: कारखाना अधिनियम 1881 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. महिलाओं के लिए काम के घंटे प्रतिदिन 9 घंटे तक सीमित कर दिए गए।
2. 9 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का रोजगार निषिद्ध था।
3. बच्चों को महीने में चार छुट्टियाँ दी जानी थीं।

उपर्युक्त में से कितने कथन ***गलत हैं*** ?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

- **कथन 1 ग़लत है** : . बच्चों के लिए काम के घंटे प्रतिदिन 9 घंटे तक सीमित कर दिए गए।
- **कथन 2 गलत है :** 7 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का रोजगार निषिद्ध था।
- **कथन 3 सही है** : बच्चों को एक महीने में चार छुट्टियाँ दी गयी थीं। खतरनाक मशीनरी को ठीक से बंद किए जाने का प्रावधान था। **अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।**

**प्रश्न 43: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | **वायसराय** | **घटनाक्रम** |
|---|---|---|
| 1. | लॉर्ड नॉर्थब्रुक: | वहाबी आंदोलन |
| 2. | लॉर्ड जॉन लॉरेंस: | कूका आंदोलन |
| 3. | लॉर्ड एल्गिन प्रथम : | भूटान युद्ध |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (d)**
**व्याख्या:**

- **युग्म 1 ग़लत है:** लॉर्ड नॉर्थब्रुक (1872-1876): पंजाब में कूका आंदोलन।
- राम सिंह के नेतृत्व में सिख धर्म में धार्मिक शुद्धिकरण के लिए कूका आंदोलन शुरू किया गया था।
- **युग्म 2 गलत है:** लॉर्ड जॉन लॉरेंस 1864-1869: भूटान युद्ध (1865)
- **युग्म 3 गलत है:** लॉर्ड एल्गिन । 1862-1863: वहाबी आंदोलन; इसकी शुरुआत राय बरेली के सैय्यद अहमद ने की थी। **अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।**

**प्रश्न 44: इल्बर्ट बिल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. इसमें अंग्रेज़ों को भारतीय मजिस्ट्रेट के अधिकार क्षेत्र में लाने की मांग की गई।
2. अंग्रेज महिलाएँ इस विधेयक के पक्ष में थीं।
3. बिल लॉर्ड रिपन द्वारा पेश किया गया था ।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है** : 1883 में, वायसराय की परिषद के कानून सदस्य इल्बर्ट ने न्यायिक मामलों में असमानता को खत्म करने का प्रयास किया। इसमें अंग्रेज़ों को भारतीय मजिस्ट्रेट के अधिकार क्षेत्र में लाने की मांग की गई।
- **कथन 2 गलत है** : बिल का विरोध करने वाली अंग्रेज महिलाओं ने आगे तर्क दिया कि बंगाली महिलाएं, जिन्हें वे " अनपढ़" के रूप में देखती थीं, उनके पुरुषों द्वारा उनकी उपेक्षा की जाती है, इसलिए उन्हें अंग्रेजी महिलाओं से जुड़े मामलों के सम्बन्ध में न्याय करने का अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए।
- **कथन 3 सही है** : इल्बर्ट बिल 1883 में भारत के ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड रिपन द्वारा पेश किया गया था। विधेयक में आपराधिक प्रक्रिया संहिता में नस्लीय बाधा को हटाने की मांग की गई, जो भारतीय न्यायाधीशों को यूरोपीय प्रतिवादियों पर मुकदमा चलाने से रोकती थी।

**प्रश्न 45: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| **संगठन:** | **संस्थापक** |
|---|---|
| 1. ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन: | देवेन्द्र नाथ टैगोर |
| 2. बॉम्बे एसोसिएशन: | एमजी रानाडे |
| 3. ईस्ट इंडिया एसोसिएशन: | आनंद मोहन बोस |

उपर्युक्त में से कितने युग्म ***गलत हैं*** ?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- **युग्म 1 सही है:** ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन की स्थापना देवेन्द्र नाथ टैगोर ने की थी। जमींदार एसोसिएशन और बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी का ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन में विलय हो गया।
- **युग्म 2 गलत है:** बॉम्बे एसोसिएशन का गठन 1852 में जगन्नाथ शंकरशेठ द्वारा किया गया था।
- **युग्म 3 गलत है:** ईस्ट इंडिया एसोसिएशन की स्थापना 1866 में दादाभाई नैरोजी ने की थी।

**प्रश्न 46: आनंदमठ, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का एक अर्ध-ऐतिहासिक उपन्यास, निम्नलिखित में से किस नागरिक विद्रोह पर आधारित है:**

(a) संन्यासी विद्रोह।
(b) नील विद्रोह।
(c) विजयनगरम विद्रोह ।
(d) धुंडिया विद्रोह

**सही उत्तर: (a)**
**व्याख्या:**

- आनंदमठ, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित एक बंगाली उपन्यास है। यह 18वीं सदी के अंत में हुए संन्यासी विद्रोह से प्रेरित है । इसे बंगाली इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण उपन्यासों में से एक माना जाता है। **अतःविकल्प (a) सही है।**
- इसके पहले अंग्रेजी प्रकाशन का शीर्षक **द एबे ऑफ ब्लिस(The Abbey Of Bliss)** (शाब्दिक रूप से आनंद = Bliss और मठ = Abbey) था।
- बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय भारत के महान उपन्यासकारों में से एक हैं, उन्होंने संस्कृत में **"वंदे मातरम"** गीत की रचना की। उन्हें बांग्ला में साहित्य सम्राट के नाम से जाना जाता है।
- उन्होंने 1872 में मासिक पत्रिका बंगदर्शन की स्थापना की। टैगोर का "आमार सोनार बांग्ला" - जो अब बांग्लादेश का राष्ट्रगान है - पहली बार बंगदर्शन में प्रकाशित हुआ था।

**प्रश्न 47: नील विद्रोह के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह लॉर्ड डलहौजी के कार्यकाल के दौरान घटित हुआ था।
2. नील दर्पण विद्रोह का प्रचार करने के लिए लिखा गया था।
3. नील विद्रोह का नेतृत्व बिष्णु विश्वास और दिगंबर विश्वास ने किया था

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- नील विद्रोह 1859 में बंगाल के नादिया जिले में शोषक नील बागान मालिकों के खिलाफ शुरू हुआ, बाद में यह पाबना और मुर्शिदाबाद तक फैल गया।
- **कथन 1 गलत है** : नील विद्रोह 1859 में लॉर्ड कैनिंग के कार्यकाल के दौरान बंगाल में शोषक नील बागान मालिकों के खिलाफ एक किसान आंदोलन था।
- **कथन 2 सही है** : नील दर्पण नाटक विद्रोह के दौरान किसानों की दुर्दशा को दर्शाने के लिए दीनबंधु मित्र द्वारा लिखा गया था।
- **कथन 3 सही है** : दिगंबर विश्वास और बिष्णु विश्वास ने नील विद्रोह का नेतृत्व किया। नील विद्रोह मार्च 1859 में एक अहिंसक विरोध-हड़ताल के रूप में शुरू हुआ लेकिन बाद में यह कुछ क्षेत्रों में हिंसक हो गया। सार्वजनिक मुकदमे के बाद कुछ नील बागान मालिकों का सिर कलम कर दिया गया। किसानों ने आग लगाकर नील डिपो को नष्ट कर दिया। भूमि अभिलेख और ऋण अभिलेख जला दिये गये। जमींदार भी नील विद्रोहियों के निशाने पर थे।

**प्रश्न 48: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| **सिख आंदोलन:** | **नेता** |
|---|---|
| 1. निरंकारी आंदोलन : | बाबा राम सिंह |
| 2. कूका आन्दोलन : | बाबा दयाल दास |
| 3. सिंह सभा आन्दोलन : | ज्ञानी ज्ञान सिंह |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

- **युग्म 1 गलत है:** निरंकारी आंदोलन का नेतृत्व बाबा दयाल दास ने किया था। 1840 में सिख धर्म को शुद्ध करने की बात कही गयी। उन्होंने एक ईश्वर और निरंकार (निराकार) की पूजा पर जोर देते हुए सिख धर्म की जड़ों की बहाली की वकालत की।
- **युग्म 2 गलत है:** कूका आंदोलन का नेतृत्व बाबा राम सिंह ने किया था, यह जाति व्यवस्था के खिलाफ था।

- **युग्म 3 सही है:** सिंह सभा आंदोलन का नेतृत्व ज्ञानी ज्ञान सिंह और ठाकुर सिंह संधानवालिया ने किया था, यह आंदोलन 1873 में शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य सिख धर्म को उसके पूर्व वैभव में वापस लाना और उन लोगों को फिर से स्वीकार करना था जो अन्य धर्मों में चले गए थे।
- सिंह सभा ने शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और धार्मिक सुधार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए राजनीतिक विषयों पर चर्चा करने और ब्रिटिश शासकों के लिए कोई मुश्किल उत्पन्न करने से परहेज किया।

**प्रश्न 49: लॉर्ड रिपन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**
कथन I. उन्हें भारत में स्थानीय-स्वशासन का जनक माना जाता है।
कथन II. उन्हें भारत में सिविल सेवा का जनक माना जाता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा एक सही है?
(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
(c) कथन-I सही है कथन-II गलत है
(d) कथन-I गलत है कथन-II सही है

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**
- **कथन I सही है:** लॉर्ड रिपन को भारत में स्थानीय स्वशासन के जनक के रूप में जाना जाता है क्योंकि उन्होंने 1882 में स्थानीय स्वशासन की स्थापना की थी।
- **कथन II गलत है:** लॉर्ड कॉर्नवालिस को भारत में सिविल सेवा का जनक माना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत में अनुबंधित तथा असम्बद्ध सिविल सेवाओं की शुरुआत की थी।
- **अतःविकल्प (c) सही उत्तर है।**

**प्रश्न 50: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सुरक्षा वाल्व सिद्धांत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**
1. यह सिद्धांत लाला लाजपत राय द्वारा दिया गया था।
2. इस सिद्धांत के अनुसार ह्यूम द्वारा कांग्रेस का गठन इस विचार से किया गया था कि यह संस्था भारतीयों के बढ़ते असंतोष को दूर करने के लिए एक 'सेफ्टी वाल्व' साबित होगी।
3. आरपी दत्त सुरक्षा वाल्व सिद्धांत में विश्वास नहीं करते थे।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?
(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2
(d) 1,2 और 3

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है** : लाला लाजपत राय ने "यंग इंडिया" में सेफ्टी वाल्व सिद्धांत का प्रयोग किया और कहा कि यह लॉर्ड डफरिन के दिमाग की उपज थी ।
- **कथन 2 सही है** : ह्यूम ने कांग्रेस का गठन इस विचार के साथ किया था कि यह भारतीयों के बढ़ते असंतोष को दूर करने के लिए एक 'सुरक्षा वाल्व' साबित होगी।
- **कथन 3 गलत है** : आर. पी. दत्त सुरक्षा वाल्व सिद्धांत में दृढ़ता से विश्वास करते थे। उनका मानना था कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म भारत में एक लोकप्रिय विद्रोह को ख़त्म करने की साजिश से हुआ था और बुर्जुआ नेता इसमें एक पक्षकार थे।

**प्रश्न 51: बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और *गलत* विकल्प चुनिए:**

(a) द्वारकानाथ टैगोर इस सोसायटी के सचिव थे।
(b) संगठन की स्थापना जॉर्ज थॉम्पसन की सलाह पर की गई थी।
(c) यह मुख्य रूप से कुलीन वर्ग का प्रतिनिधित्व करता था।
(d) संगठन का काम स्वास्थ्य और कल्याण पर डेटा एकत्र और साझा करके सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार लाने पर केंद्रित था।

**सही उत्तर: (a)**
**व्याख्या:**

- बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी की स्थापना 1818 में ब्रिटिश उन्मूलनवादी और समाज सुधारक जॉर्ज थॉम्पसन की सलाह पर की गई थी। सोसायटी भारतीयों द्वारा स्थापित प्रथम भारतीय राजनीतिक संगठनों में से एक थी, और इसने भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। **अतःविकल्प (b) सही है।**
- उन्हें द्वारकानाथ टैगोर इंग्लैंड से भारत लाये। जॉर्ज थॉमस ब्रिटिश इंडियन सोसाइटी के सचिव थे। **अतःविकल्प (a) गलत है।**
- यह मुख्यतः कुलीन वर्ग का प्रतिनिधित्व करता था। **अतःविकल्प (c) सही है।**
- बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी ने भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सोसायटी ने स्वास्थ्य और कल्याण पर डेटा एकत्र और साझा किया, और इसने स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए भी काम किया। सोसायटी के प्रयासों से स्वच्छता में सुधार, बीमारी को नियंत्रित करने और टीकाकरण को बढ़ावा देने में मदद मिली। **अतःविकल्प (d) सही है।**

**प्रश्न 52: ईस्ट इंडिया एसोसिएशन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. 1869 में ब्रिटिश भारत की सभी प्रेसीडेंसी में एसोसिएशन की स्थापना की गयी।
2. इस संगठन को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्ववर्ती के रूप में भी जाना जाता है।
3. एसोसिएशन का मुख्य लक्ष्य ब्रिटिश लोगों के बीच भारत की स्थितियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 ग़लत है:** दादाभाई नैरोजी रोजी ने लंदन में 1866 में ईस्ट इंडिया एसोसिएशन की स्थापना की। इसने 1869 में बॉम्बे, कोलकाता और मद्रास जैसे विभिन्न भारतीय शहरों में अपनी शाखाएँ स्थापित कीं।
- **कथन 3 सही है:** एसोसिएशन का मुख्य लक्ष्य भारत की स्थितियों के बारे में ब्रिटिश लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना और भारतीय कल्याण के लिए लोकप्रिय समर्थन जुटाना था।
- **कथन 2 सही है:** इस संगठन को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्ववर्ती के रूप में भी जाना जाता है।
- लॉर्ड लिवेडेन संगठन के पहले अध्यक्ष बने।
- प्रारंभ में, संगठन में लगभग 1000 सदस्य थे लेकिन 1912 के बाद ही इसमें महिलाओं को प्रवेश की अनुमति दी गई।
- इसने जर्नल ऑफ ईस्ट इंडिया एसोसिएशन और एशियाई त्रैमासिक समीक्षा(Asiatic Quarterly Review) जैसी दो पत्रिकाओं के माध्यम से ब्रिटिश जनता के सामने भारत के बारे में अपनी विचारधारा का प्रसार किया।

**प्रश्न 53: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | ब्रिटिश इंडिया सोसायटी | लंदन |
| 2. | ईस्ट इंडिया एसोसिएशन | कलकत्ता |
| 3. | नेशनल इंडिया एसोसिएशन | लंदन |
| 4. | इंडियन एसोसिएशन | बम्बई |

नीचे दिए गए कूट में से सही युग्म चुनिए:

(a) 1 और 2
(b) 3 और 4
(c) 1 और 3
(d) 2 और 4

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या** :

एसोसिएशन, उनके स्थानों और उनके संस्थापकों का सही सुमेलन इस प्रकार है:

- ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी (1839)- लंदन, विलियम एडम। **अत: युग्म (1) सही है** ।
- ईस्ट इंडिया एसोसिएशन (1866)- लंदन, दादाभाई नैरोजी। **अतः युग्म (2) गलत है** ।
- नेशनल इंडिया एसोसिएशन (1870-71)- लंदन, मैरी कारपेंटर और मेनिंग। **अतः युग्म (3) सही है।**
- इंडियन एसोसिएशन (1876)- कोलकाता, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, और आनंद मोहन बोस। **इसलिए, युग्म (4) गलत है।**

**प्रश्न 54: निम्नलिखित का मिलान कीजिए:**

| | |
|---|---|
| A. इंडियन लीग | 1. शिशिर कुमार घोष |
| B. इंडियन एसोसिएशन | 2. आनंद मोहन बोस |
| C. इंडिया नेशनल लिबरल फेडरेशन | 3. सैयद अहमद खान |
| D. यूनाइटेड इंडियन पैट्रियटिक एसोसिएशन | 4. सुरेंद्रनाथ बनर्जी |

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:

| | A | B | C | D |
|---|---|---|---|---|
| (a) | 1 | 3 | 4 | 2 |
| (b) | 2 | 1 | 4 | 3 |
| (c) | 3 | 2 | 4 | 1 |
| (d) | 1 | 2 | 4 | 3 |

**सही उत्तर: (d)**
**व्याख्या:**

- इंडियन लीग एक राजनीतिक संगठन था जिसकी स्थापना 1875 में कलकत्ता में शिशिर कुमार घोष ने की थी। लीग का लक्ष्य भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना और भारत के लिए स्व-शासन प्राप्त करना था। लीग भारतीयों द्वारा स्थापित पहले भारतीय राजनीतिक संगठनों में से एक थी, और इसने भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- इंडियन एसोसिएशन 1876 में भारत के कलकत्ता में आनंद मोहन बोस और सुरेंद्रनाथ बनर्जी द्वारा स्थापित एक राजनीतिक संगठन था। एसोसिएशन का लक्ष्य भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना और भारत के लिए स्व-शासन प्राप्त करना था।
- सुरेंद्रनाथ बनर्जी एक प्रमुख भारतीय राष्ट्रवादी नेता थे जिन्होंने 1919 में इंडियन नेशनल लिबरल फेडरेशन (INLF) की स्थापना की थी। आईएनएलएफ एक राजनीतिक दल था जो ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर भारत के लिए स्वशासन की वकालत करता था।
- यूनाइटेड इंडियन पैट्रियटिक एसोसिएशन (यूआईपीए) एक राजनीतिक संगठन था जिसकी स्थापना 1888 में भारत के एक प्रमुख मुस्लिम विद्वान और सुधारक सर सैयद अहमद खान और बनारस के राजा शिव प्रसाद सिंह ने की थी।

**प्रश्न 55: भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | **वर्ष** | **प्रसंग** |
|---|---|---|
| 1. | 1915 | महात्मा गांधी की दक्षिण अफ्रीका से वापसी |
| 2. | 1944 | द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश युद्ध प्रयासों के लिए भारतीय सहयोग प्राप्त करने के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा क्रिप्स मिशन को भारत भेजा गया था। |
| 3. | 1936 | प्रथम गोलमेज़ सम्मेलन |
| 4. | 1945 | अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बंबई में बैठक और 'भारत छोड़ो' को स्वीकृति |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चार

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

| **वर्ष** | **प्रसंग** |
|---|---|
| 1915 | महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से लौटे। **अतः, युग्म (1) सही सुमेलित है।** |
| 1941-42 | द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश युद्ध प्रयासों के लिए भारतीय सहयोग प्राप्त करने के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा क्रिप्स मिशन भारत भेजा गया था। **अतः, युग्म (2) ग़लत सुमेलित है।** |
| 1930-31 | प्रथम गोलमेज़ सम्मेलन। **इसलिए, युग्म (3) गलत सुमेलित है ।** |
| 1942 | अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बंबई में बैठक हुई और 'भारत छोड़ो' आंदोलन का अनुमोदन किया गया। **अतः, युग्म (4) गलत सुमेलित है।** |

**प्रश्न 56: निम्नलिखित का सही कालानुक्रमिक क्रम पहचानिए-**

1. द्वितीय गोलमेज़ सम्मेलन
2. भारत छोड़ो आन्दोलन
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन
4. साइमन कमीशन रिपोर्ट

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प चुनिए-

(a) (4), (2), (3), (1)
(b) (3), (4), (1), (2)
(c) (2), (3), (4), (1)
(d) (1), (4), (2), (3)

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

कांग्रेस का गठन- 1885
साइमन कमीशन रिपोर्ट- 1927-29
दूसरा गोलमेज सम्मेलन- 1931-32
भारत छोड़ो आंदोलन- 1942

**प्रश्न 57: अछूत लोगों को लक्षित दर्शक बनाने वाली पहली मासिक पत्रिका "विटाल-विध्वंसक" किसके द्वारा प्रकाशित की गयी?**

(a) गोपाल बाबा वालंगकर
(b) ज्योतिबा फुले
(c) मोहनदास गांधी करमचंद
(d) भीमराव रामजी अम्बेडकर

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

- गोपाल बाबा वालंगकर, जिन्हें गोपाल कृष्ण के नाम से भी जाना जाता है, (लगभग 1840-1900) भारत के अछूत लोगों को उनके ऐतिहासिक सामाजिक-आर्थिक उत्पीड़न से मुक्त कराने के लिए काम करने वाले एक सामाजिक कार्यकर्ता का प्रारंभिक उदाहरण हैं, और सामान्यतः उन्हें इस आन्दोलन अग्रदूत माना जाता है।
- उन्होंने उत्पीड़न को समझाने के लिए एक नस्लीय सिद्धांत विकसित किया और अछूत लोगों पर लक्षित पहली पत्रिका भी प्रकाशित की।

- वालंगकर ने दावा किया कि "दक्षिण के उच्च जाति के लोग 'ऑस्ट्रेलियाई-सेमेटिक गैर-आर्यन' और अफ्रीकी नीग्रो थे, कि चितपावन ब्राह्मण 'बर्बरी यहूदी' थे, और उच्च जाति के मराठों के पूर्वज 'तुर्क' थे।
- 1888 में, वालंगकर ने विताल-विध्वंसक (ब्राह्मणवादी या औपचारिक प्रदूषण को नष्ट करने वाला) नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया, जो अछूत लोगों को अपना लक्षित करके प्रारम्भ की गयी पहली पत्रिका थी। **अतः, विकल्प (a) सही विकल्प है।**

**प्रश्न 58: राष्ट्रीय आंदोलन के भारतीय संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए-**

| | **व्यक्तित्व** | **पद** |
|---|---|---|
| 1. | सर तेज बहादुर सप्रू | अध्यक्ष, ऑल इंडिया लिबरल फेडरेशन |
| 2. | केसी नियोगी | सदस्य, संविधान सभा |
| 3. | पीसी जोशी | महासचिव, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी। |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

| **व्यक्तित्व** | **पद** |
|---|---|
| सर तेज बहादुर सप्रू | अध्यक्ष, ऑल इंडिया लिबरल फेडरेशन |
| केसी नियोगी | सदस्य, संविधान सभा |
| पीसी जोशी | महासचिव, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी। |

**प्रश्न 59: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए-**

| | **आंदोलन/संगठन** | **व्यक्तित्व** |
|---|---|---|
| 1. | अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग | महात्मा गांधी |
| 2. | अखिल भारतीय किसान सभा | स्वामी सहजानन्द सरस्वती |
| 3. | आत्म-सम्मान आंदोलन | ईवी रामास्वामी नायकर |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो

(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

- अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग भारत में अस्पृश्यता उन्मूलन के लिए 1932 में महात्मा गांधी द्वारा स्थापित एक सामाजिक सुधार आंदोलन था। **इसलिए, युग्म (1) सही है।**
- अखिल भारतीय किसान सभा (AIKS) 1936 में स्वामी सहजानंद सरस्वती द्वारा स्थापित एक किसान आंदोलन था। किसान सभा ब्रिटिश राज के दौरान भारत में सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली किसान संगठन थी। **इसलिए, युग्म (2) सही है**।
- आत्म-सम्मान आंदोलन 1925 में तमिलनाडु, भारत में ईवी रामासामी नायकर (पेरियार के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा प्रारंभ किया गया एक सामाजिक आंदोलन था। इस आंदोलन का उद्देश्य समकालीन हिंदू सामाजिक व्यवस्था को नष्ट करना और जाति, धर्म और भगवान के बिना एक नया, तर्कसंगत समाज बनाना था। **इसलिए, युग्म (3) सही है।**

**प्रश्न 60: लंदन इंडिया सोसाइटी की स्थापना किसके द्वारा की गई थी?**
(a) दादाभाई नौरोजी
(b) डब्ल्यू.सी. बनर्जी
(c) सुरेंद्रनाथ बनर्जी
(d) a और b दोनों
**सही उत्तर: (d)**
**व्याख्या:**
लंदन इंडिया सोसाइटी एक भारतीय संगठन था जिसकी स्थापना मार्च 1865 में लंदन में दादाभाई नौरोजी और डब्ल्यू.सी. बनर्जी के नेतृत्व में हुई थी।
संगठन का उद्देश्य इंग्लैंड में भारत में बढ़ती हुई सामाजिक और राजनीतिक आकांक्षाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना और ब्रिटिश जनता के बीच भारत से संबंधित मामलों के बारे में रूचि को बढ़ाने था।

**प्रश्न 61: कांग्रेस की मांगों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**
1. कपास के उत्पादों पर पुनः आयात शुल्क लगाना।
2. सैन्य व्यय में कमी
3. स्वराज प्रदान करना
4. तकनीकी एवं सामान्य शिक्षा का प्रसार

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1, 2 और 3
(b) 1, 2 और 4
(c) 2, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या:**
कांग्रेस की मांगें:

- विधान परिषद का विस्तार और सुधार जिससे प्रशासन पर लोकप्रिय नियंत्रण हो
- इंग्लैंड और भारत में एक साथ आईसीएस परीक्षा आयोजित करने से सार्वजनिक सेवाओं में भारतीयों के लिए बेहतर अवसर।
- कपास के सामान पर पुनः आयात शुल्क लगाना। **विकल्प (1) सही है** ।
- सैन्य व्यय में कमी। **विकल्प (2) सही है.**
- तकनीकी एवं सामान्य शिक्षा का प्रसार। **विकल्प (4) सही है** ।
- न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करना
- ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के उपनिवेशों की तरह ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर भारत को स्व-शासन प्रदान करना।
- स्वराज की मांग पहली बार 1906 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) द्वारा व्यक्त की गई थी। आईएनसी एक उदारवादी राष्ट्रवादी संगठन था जिसने शुरू में संवैधानिक तरीकों से स्वराज प्राप्त करने का प्रयास किया था। **विकल्प (3) ग़लत है.**

**प्रश्न 62: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. सरोजिनी नायडू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष थीं।
2. बदरुद्दीन तैयबजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न अतः 1 और न ही 2

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या:**

- **कथन 1 गलत है** क्योंकि 1917 के कलकत्ता अधिवेशन में एनी बेसेंट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष थीं जबकि 1925 के कानपुर अधिवेशन में सरोजिनी नायडू कांग्रेस की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष थीं।
- एनी बेसेंट आयरिश मूल की महिला थीं और उन कुछ विदेशियों में से एक थीं जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- **कथन 2 सही है** क्योंकि बदरुद्दीन तैयबजी 1887 में मद्रास में कांग्रेस के तीसरे सत्र के लिए चुने गए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष थे।

**प्रश्न 63: नरमपंथियों द्वारा प्रयोग किये गए तरीकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. नरमपंथियों ने सरकारी नीतियों की आलोचना करने के लिए विभिन्न प्रकार के समाचार पत्रों और इतिवृत्तों का उपयोग किया।
2. उदारवादी केवल सामाजिक समस्याओं पर चर्चा करते थे।
3. उन्होंने सरकार से समस्याओं का समाधान ढूंढने के लिए जांच कराने की भी मांग की।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है** : नरमपंथियों ने सरकारी नीतियों की आलोचना करने के लिए विभिन्न प्रकार के समाचार पत्रों और इतिवृत्तों का प्रयोग किया, जिनमें बंगाली अखबार, बॉम्बे क्रॉनिकल, हिंदुस्तान टाइम्स, इंदुप्रकाश, राष्ट्र गोफ्तार और साप्ताहिक पत्रिका इंडिया शामिल हैं।
- **कथन 3 सही है:** उन्होंने सरकार से जांच करने और लोगों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं को हल करने के तरीके और साधन खोजने के लिए भी कहा।
- **कथन 2 गलत है** : वे एक साथ मिले और सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर बात की।
- उनकी बैठकें इंग्लैंड, मुंबई, इलाहाबाद, पुणे और कलकत्ता सहित अन्य स्थानों पर आयोजित की जाती थी।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

**प्रश्न 64: उग्रवाद के उदय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. पश्चिमी शिक्षा का विकास।
2. रवीन्द्रनाथ टैगोर ने बंगाल में डॉन सोसायटी का गठन किया।
3. विभाजन विरोधी और स्वदेशी आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा को बढ़ावा देना।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है:** पश्चिमी शिक्षा और विचारों का प्रभाव और बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से उत्पन्न समस्याएँ। पश्चिमी शिक्षा के विकास के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में शिक्षित भारतीय पैदा हुए जो लोकतंत्र, राष्ट्रवाद और कट्टरपंथ पर पश्चिमी विचारों के प्रति बहुत ग्रहणशील थे और इसलिए उग्र राष्ट्रवाद के उद्देश्यों और नीतियों के प्रति ग्रहणशील थे।
- इसके अलावा, इन शिक्षित भारतीयों को बेरोजगारी की समस्या का सामना करना पड़ा, जिससे उन्होंने महसूस किया कि ब्रिटिश शासन के तहत इन समस्यायों का हल नहीं किया जा सकता है।
- ब्रिटिश शासन की सामाजिक एवं सांस्कृतिक बुराइयों का आभास।
- उदाहरण के लिए, शिक्षा के क्षेत्र में कोई संतुलित विकास नहीं हुआ (प्राथमिक और तकनीकी शिक्षा में नगण्य वृद्धि दर्ज की गई और ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली को राष्ट्र-विरोधी माना गया)।
- **कथन 2 गलत है और कथन 3 सही है:** राष्ट्रीय शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयास विशेष रूप से विभाजन विरोधी और स्वदेशी आंदोलन (उदाहरण के लिए रवींद्रनाथ टैगोर के शांति निकेतन और बंगाल में सतीश चंद्र मुखर्जी की डॉन सोसाइटी) के समय से किए गए थे।

**प्रश्न 65: गरमपंथी राजनीति की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. स्वराज की प्राप्ति
2. शिवाजी की स्मरणों को पुनर्जीवित करना और गणपति उत्सव मनाना
3. भारतीय राष्ट्रवाद अपनी प्राचीन संस्कृति और धर्म का महिमामंडन करने में विफल रहा।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- **कथन 1 सही है:** इसका मुख्य उद्देश्य स्वराज की प्राप्ति था। हालाँकि, स्वराज शब्द का कोई स्पष्ट अर्थ नहीं था।
- **कथन 2 सही है:** तिलक (1856-1920) एक प्रसिद्ध उग्रवादी नेता थे। 1893 से उनके द्वारा प्रारंभ गणपति उत्सव ने लोगों को एक सांस्कृतिक मंच प्रदान किया। उन्होंने महाराष्ट्र में शिवाजी (1895) उत्सव के माध्यम से अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ एक योद्धा के रूप में शिवाजी की यादों को पुनर्जीवित किया, जो जून 1906 में कलकत्ता में और स्वदेशी आंदोलन के समय जापान में भी मनाया गया था।
- 1896 के अकाल के बाद उन्होंने संकटग्रस्त लोगों से कर न देने को कहा। ब्रिटिश सरकार ने उनकी शिक्षाओं और संपादकीय लेखों को ऐसा माहौल उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार माना जिसके कारण जून 1897 में रैंड और आयर्स्ट की हत्याएं हुईं।
- **कथन 3 गलत है:** उन्होंने अपनी प्राचीन संस्कृति और धर्म का महिमामंडन करके भारतीय राष्ट्रवाद की एक धार्मिक ऐतिहासिक थीसिस तैयार की।

**प्रश्न 66: 1905 के बनारस कांग्रेस अधिवेशन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. गरमपंथियों ने बहिष्कार और स्वदेशी की वकालत की जबकि नरमपंथियों ने संवैधानिक तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया।
2. दादाभाई नैरोजी इस अधिवेशन के अध्यक्ष थे।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**
**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है:** गरमपंथी बहिष्कार और स्वदेशी पर एक मजबूत प्रस्ताव चाहते थे जबकि नरमपंथियों ने केवल संवैधानिक तरीकों के उपयोग पर जोर दिया।
- **कथन 2 ग़लत है:** नरमपंथी और गरमपंथियों के बीच समझौता करने के लिए केवल बंगाल के लिए बहिष्कार और स्वदेशी पर औपचारिक उद्घोषणा की गई थी। गोपाल कृष्ण गोखले इसके अध्यक्ष थे।

**प्रश्न 67. 1906 के कलकत्ता अधिवेशन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. गरमपंथी नेताओं ने दादा भाई नैरोजी की अध्यक्षता पर आपत्ति जताई।
2. इस अधिवेशन में स्वराज का प्रस्ताव पारित किया गया।

3. उदारवादियों ने अधूरे मन से प्रस्ताव का समर्थन किया।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:
(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या:**

- 1906 में कलकत्ता अधिवेशन की अध्यक्षता दादा भाई नैरोजी ने की थी। नरमपंथियों ने कांग्रेस के अधिवेशन की अध्यक्षता के लिए दादा भाई नैरोजी को चुना। नरमपंथी और गरमपंथी दादा भाई नैरोजी का सम्मान करते थे और उन्हें नरमपंथी और गरमपंथी दोनों नेताओं द्वारा चुना गया था। **कथन 1 गलत है।**
- परन्तु, इस अधिवेशन में गरमपंथियों द्वारा कांग्रेस को निम्नलिखित प्रस्ताव अपनाने के लिए बाध्य किया गया जिसे नरमपंथियों ने आधे मन से स्वीकार कर लिया। **कथन 3 सही है।**
  ये प्रस्ताव इस प्रकार थे:
  बंगाल विभाजन पर प्रस्ताव
  स्वशासन का संकल्प (स्वराज) **कथन 2 सही है।**
  स्वदेशी पर संकल्प
  बहिष्कार पर संकल्प

**प्रश्न 68: 1907 में सूरत विभाजन की पृष्ठभूमि के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**
1. 1905 के बनारस अधिवेशन के बाद तिलक ने गरम दल का गठन किया।
2. नरमपंथी और गरमपंथी दोनों ने रासबिहारी घोष के अध्यक्ष पद का समर्थन किया।
3. 1906 के कलकत्ता अधिवेशन में स्वीकृत प्रस्ताव को नरमपंथियों ने मानने से इंकार कर दिया।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:
(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- **कथन 1 सही है:** बनारस अधिवेशन (1905) में नरमपंथियों और गरमपंथियों के बीच विभाजन स्पष्ट हो गया। इस सत्र के अंत में लोकमान्य तिलक और उनके समर्थकों ने एक अलग सम्मेलन आयोजित किया और गरम दल के गठन की घोषणा की। हालाँकि, उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हिस्से के रूप में काम करने का निर्णय लिया।
- 1906 में कलकत्ता अधिवेशन में नरमपंथियों और गरमपंथियों के बीच मतभेद और भी बढ़ गया।
- **कथन 3 सही है:** हालाँकि, नरमपंथियों ने 1906 में कलकत्ता सत्र में जो कुछ हुआ उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया और 1907 में सूरत सत्र में इसे पूर्ववत करने के लिए दृढ़ थे।
- गरमपंथी यह सुनिश्चित करने के लिए समान रूप से दृढ़ थे कि नरमपंथियों को भी उनका रास्ता न प्राप्त हो।
- **कथन 2 गलत है:** सूरत में, गरमपंथियों ने कांग्रेस अध्यक्ष के लिए लाला लाजपत राय की उम्मीदवारी को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जबकि नरमपंथियों ने डॉ. रासबिहारी घोष का समर्थन किया।
- लाला लाजपत राय ने पद छोड़कर स्थिति को संभाला और डॉ. रासबिहारी घोष द्वारा अध्यक्ष की गयी।

**प्रश्न 69: भारत सरकार अधिनियम, 1919 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह संवैधानिक सुधारों की योजना के आलोक में लाया गया, जिसे लोकप्रिय रूप से मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार के रूप में जाना जाता है।
2. इसने प्रांतीय सरकारों में द्वैध शासन की अवधारणा पेश की।
3. इसने केंद्र में द्विसदनीय विधायिका की शुरुआत की।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

- **कथन (1) सही है:** 1918 में, राज्य सचिव एडविन मोंटेग्यू और वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड ने संवैधानिक सुधारों की अपनी योजना पेश की जिसके कारण 1919 का भारत सरकार अधिनियम लागू हुआ।
- **कथन (2) सही है:** अधिनियम के अनुसार, प्रांतीय सरकारों को द्वैध शासन प्रणाली के तहत अधिक शक्तियाँ दी गईं। इस व्यवस्था के अंतर्गत वित्त और कानून व्यवस्था जैसे कुछ महत्वपूर्ण विषयों को आरक्षित विषय कहा जाता था और वे गवर्नर के सीधे नियंत्रण में थे। इनका प्रशासन स्वयं

गवर्नर द्वारा नियुक्त अधिकारियों द्वारा किया जाता था। शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्थानीय स्वशासन जैसे अन्य विषयों को हस्तांतरित विषय कहा जाता था और उन्हें प्रांतीय विधानमंडलों के लिए जिम्मेदार मंत्रियों द्वारा प्रशासित किया जाना था।

- **कथन (3) सही है:** अधिनियम के अनुसार, केंद्र में विधानमंडल के दो सदन होने थे। निचला सदन, विधान सभा और उच्च सदन, राज्यों की परिषद।

**प्रश्न 70: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:**

| | सत्याग्रह | प्रतिद्वंदी |
|---|---|---|
| 1. | अहमदाबाद मिल हड़ताल | पूंजीवादी |
| 2. | चम्पारण सत्याग्रह | नील बागान मालिक |
| 3. | खेड़ा सत्याग्रह | सरकार |

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

- गांधीजी 1913 में दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस लौटे। उन्होंने अहिंसा और सत्याग्रह नामक नए हथियारों के साथ दक्षिण अफ्रीका में दमनकारी औपनिवेशिक सरकार से संघर्ष किया। भारत पहुंचने के बाद, उन्होंने नस्लीय, दमनकारी औपनिवेशिक सरकार से लड़ने के लिए कई सत्याग्रह किए।
- 1917 में, उन्होंने बिहार के चंपारण में सत्याग्रह में पहला महान प्रयोग किया, जो नील की खेती करने वालों की सहायता के लिए था जिन्हें अपनी भूमि के कम से कम 3/20वें हिस्से पर नील की खेती करने के लिए मजबूर किया जाता था। **इसलिए, युग्म (1) सही है।**
- 1918 में, गांधीजी ने अहमदाबाद के श्रमिकों और मिल मालिकों के बीच एक विवाद में हस्तक्षेप किया। उन्होंने श्रमिकों को हड़ताल पर जाने और वेतन में 35 प्रतिशत वृद्धि की मांग करने की सलाह दी। लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि श्रमिकों को नियोक्ताओं के खिलाफ हिंसा नहीं करनी चाहिए। वहां भी अहिंसक तरीकों से गांधीजी और मजदूरों ने पूंजीपति वर्ग के खिलाफ लड़ाई लड़ी और सफलता हासिल की, **इसलिए, युग्म (2) सही है।**
- 1918 में, गुजरात के खेड़ा जिले में फसलें खराब होने के बाद भी सरकार ने भू-राजस्व माफ करने से इनकार कर दिया और इसकी पूरी वसूली पर जोर दिया। गांधीजी ने किसानों का समर्थन किया और उन्हें राजस्व का भुगतान तब तक रोकने की सलाह दी जब तक कि उनकी माफी की मांग

पूरी नहीं हो जाती। यहां गांधीजी ने सरकार के खिलाफ लड़ाई में सफलता प्राप्त की **इसलिए, युग्म (3) सही है।**

**प्रश्न 71: हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. इसने सशस्त्र क्रांति की का समर्थन किया।
2. काकोरी षड़यंत्र केस में सरकार द्वारा इसके सभी सदस्यों पर मुकदमा चलाया गया।
3. इस संगठन द्वारा बाद में अपना नाम बदलकर 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' रखा गया।

उपर्युक्त में से कितने कथन गलत हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (d)**
**व्याख्या** :

- प्रथम असहयोग आंदोलन की विफलता के कारण क्रांतिकारी आंदोलन को पुनर्जीवित हुआ। क्रांतिकारियों के एक अखिल भारतीय सम्मेलन के बाद, सशस्त्र क्रांति आयोजित करने के लिए अक्टूबर 1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की गई **। अतः, कथन 1 सही है।**
- सरकार ने 1925 में काकोरी षड्यंत्र मामले में बड़ी संख्या में युवाओं को गिरफ्तार करके और उन पर मुकदमा चलाकर इस पर प्रहार किया। उनमें से सत्रह को लम्बे कारावास की सजा, चार को आजीवन कारावास की सजा और राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाकुल्ला सहित चार को फांसी दी गई। **अतः, कथन 2 सही है ।**
- ये क्रांतिकारी जल्द ही समाजवादी विचारों के प्रभाव में आ गए। इसलिए, 1928 में, चंद्र शेखर आज़ाद के नेतृत्व में, एचआरए ने अपना नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) कर लिया। **अतः, कथन 3 सही है।**

**प्रश्न 72: नेहरू रिपोर्ट, जो भारत के लिए एक प्रस्तावित संवैधानिक योजना थी, में निम्नलिखित में से कौन से सिद्धांत शामिल थे?**

1. डोमिनियन स्थिति
2. एकात्मक संरचना
3. वयस्क मताधिकार
4. पृथक निर्वाचन क्षेत्र

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चार

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- नेहरू रिपोर्ट, जिसका नाम इसके मुख्य वास्तुकार, मोतीलाल नेहरू के नाम पर रखा गया था, ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रदान की जा रही योजना की तुलना में वैकल्पिक संवैधानिक सुधारों की एक योजना थी। इसे सर्वदलीय सम्मेलन की ओर से तैयार किया गया था. इस रिपोर्ट ने डोमिनियन स्टेटस को भारत द्वारा वांछनीय सरकार के रूप में परिभाषित किया। **अतः, विकल्प (1) सही है।**
- रिपोर्ट में भारत की भावी सरकार के लिए एकात्मक संरचना की सिफारिश नहीं की गई। इसने सिफारिश की कि भारत को भाषाई प्रांतों और प्रांतीय स्वायत्तता के आधार पर बनाया गया एक संघ होना चाहिए। **अतः, विकल्प (2) ग़लत है।**
- रिपोर्ट में बिना किसी संपत्ति मानदंड के सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार, महिलाओं को समान अधिकार, संघ बनाने की स्वतंत्रता और किसी भी रूप में राज्य को धर्म से अलग करने की भी सिफारिश की गई। **अतः, विकल्प (3) सही है ।**
- इसमें पृथक सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्रों के सिद्धांत को खारिज कर दिया गया था, इसके स्थान पर विधानसभाओं में धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए 10 साल की अवधि के लिए सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया। **इसलिए, विकल्प (4) गलत है।**

**प्रश्न 73: 'भारत छोड़ो' आंदोलन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. संवैधानिक गतिरोध को सुलझाने में क्रिप्स मिशन की विफलता के कारण इसकी शुरुआत की गई थी।
2. आंदोलन के दौरान जनता द्वारा बहुत हिंसा की गई।
3. भारत छोड़ो आंदोलन आश्चर्यजनक रूप से अल्पकालिक था फिर भी इसने प्रदर्शित किया कि देश में राष्ट्रवादी भावना कितनी गहराई तक भर गयी थी।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

- **कथन 1 सही है:** क्रिप्स मिशन की विफलता ने भारतीय लोगों को कड़वाहट से भर दिया था। कांग्रेस ने अब अंग्रेजों को भारतीय स्वतंत्रता की मांग को स्वीकार करने के लिए मजबूर करने हेतु सक्रिय कदम उठाने का निर्णय लिया। इसने प्रसिद्ध 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव को पारित किया और गांधीजी के नेतृत्व में अहिंसक जन संघर्ष शुरू करने का प्रस्ताव रखा।
- **कथन 2 सही है:** आंदोलन की शुरुआत में ही गांधीजी और अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया और कांग्रेस को अवैध घोषित कर दिया गया। प्रत्येक स्थान पर विरोध का एक स्वतःस्फूर्त आंदोलन खड़ा हो गया, जिसने लोगों के दबे हुए गुस्से को अभिव्यक्ति प्रदान की। नेतृत्वविहीन होने और बिना किसी संगठन के छोड़े गए लोगों द्वारा जिस प्रकार से भी प्रतिक्रिया दी जा सकती थी, व्यक्त की गयी। कई जगहों पर लोग हिंसक कार्रवाई पर उतर आये। उन्होंने ब्रिटिश सत्ता के प्रतीकों पर हमला किया।
- **कथन 3 सही है:** सरकारी कार्रवाई सबसे गंभीर थी और कुछ ही महीनों के भीतर, 1942 का विद्रोह कुचल दिया गया। फिर भी, इसने यह प्रदर्शित किया कि देश में राष्ट्रवादी भावनाएँ कितनी गहराई तक पहुँच गई हैं और लोगों में बलिदान देने की कितनी बड़ी क्षमता विकसित हो गई है। आंदोलन अब तक अछूते क्षेत्रों में भी फैल गया था। यह पहले से कहीं अधिक हिंसक था। कई इलाकों में इसे दबाने के लिए मार्शल लॉ लगाना पड़ा। यह साबित हो गया था कि ऐसी घटनाएँ दोबारा होने पर मार्शल लॉ के बिना सामान्य प्रशासन नहीं चलाया जा सकता।

**प्रश्न 74: कैबिनेट मिशन योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

कथन I: यह केवल नई सरकार को सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रियाओं को तय करने का एक प्रयास था क्योंकि पूर्ण स्वतंत्रता का प्रश्न पहले ही तय हो चुका था।

कथन II: इसमें क्रिप्स मिशन द्वारा दिए गए प्रस्ताव को ठोस आकार देने की मांग की गई थी।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा एक सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है

(c) कथन-I सही है कथन-II गलत है

(d) कथन-I गलत है कथन-II सही है

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- **कथन I सही है:** ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों को सत्ता हस्तांतरण की शर्तों पर भारतीय नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए मार्च 1946 में एक कैबिनेट मिशन भारत भेजा था। इसका अर्थ यह

था कि यह लगभग तय हो चुका था कि भारत को स्वतंत्र होना था। निर्णय लेने के लिए बचा एकमात्र प्रश्न सत्ता के हस्तांतरण का तरीका और प्रक्रियाएं यानी अंतरिम सरकार, संविधान सभा, ब्रिटिश क्राउन के साथ संबंध, सरकार का बुनियादी ढांचा, विभाजन का प्रश्न आदि थे। इस प्रकार, कथन 1 सही है।

- **कथन II सही है:** क्रिप्स मिशन ने पहले 'डोमिनियन स्टेटस' और युद्ध समाप्त होने के बाद एक संविधान सभा बुलाने की पेशकश की थी। लेकिन इसे विश्वसनीय नहीं था क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति और इसका परिणाम अनिश्चित था। युद्ध समाप्ति के बाद कैबिनेट मिशन लाया गया।

इसमें दो बातों पर ध्यान केंद्रित किया गया:

1. एक अंतरिम सरकार की स्थापना करना जिसे सत्ता सौंपी जा सके
2. संविधान सभा के चुनाव एवं संगठन की योजना।

इस प्रकार, यह कहा जा सकता है कि कैबिनेट मिशन ने वही प्रदान किया जो पहले क्रिप्स मिशन ने वादा किया था, किन्तु केवल अधिक स्पष्ट शब्दों में।

**प्रश्न 75: बंगाल विभाजन के प्रभाव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. अधिकांश बंगालियों ने इसका विरोध किया क्योंकि उनका मानना था कि विभाजन उन्हें अपने ही प्रांत में भाषाई अल्पसंख्यक बना देगा।
2. इस तरह के विभाजन का मुख्य लक्ष्य दो समुदायों के बीच फूट पैदा करना था।
3. राष्ट्रीय संघर्ष में स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन शुरू हुआ।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (d)**

**व्याख्या:**

- प्रांत के पश्चिमी भाग में बहुसंख्यक बंगालियों ने इस कदम का विरोध किया, जिससे वे अपने ही प्रांत में भाषाई अल्पसंख्यक बन जाते क्योंकि वहां बंगालियों से ज्यादा उड़िया और हिंदी बोलने वाले लोग थे **अतः, कथन 1 सही है।**
- इस तरह के विभाजन का मुख्य लक्ष्य दो समुदायों के बीच फूट पैदा करना था, जिससे देश की एकता और राष्ट्रवाद कमजोर हो सके। **अतः, कथन 2 सही है।**

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- यह आंदोलन विभाजन की तारीख से बहुत पहले ही शुरू हो गया था। विभाजन की बरसी पर लोगों ने शोक दिवस मनाया। टैगोर ने हिंदुओं और मुसलमानों से एक-दूसरे को राखी बांधकर विरोध करने को कहा।
- विभाजन के परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय संघर्ष में स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन शुरू हुए। **अतः, कथन 3 सही है।**

**प्रश्न 76: अभिनव भारत सोसायटी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. इसकी स्थापना चापेकर बंधुओं ने की थी।
2. बाद में इसका नाम बदलकर "मित्र मेला" कर दिया गया।
3. वर्ष 1952 में सोसायटी को औपचारिक रूप से भंग कर दिया गया।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या:**

- विनायक दामोदर सावरकर और उनके भाई गणेश दामोदर सावरकर ने वर्ष 1904 में अभिनव भारत सोसाइटी (यंग इंडिया सोसाइटी) की स्थापना की। **अतः कथन 1 गलत है।**
- विनायक दामोदर सावरकर ने नासिक में वर्ष 1899 में क्रांतिकारियों की एक गुप्त संस्था मित्र मेला की स्थापना की। बाद में वर्ष 1904 में इसका नाम बदलकर अभिनव भारत सोसाइटी कर दिया गया। **अतः कथन 2 सही है।**
- यह सोसायटी कई सौ क्रांतिकारियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को शामिल करने के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों में शाखाओं के साथ विकसित हुई तथा सावरकर के कानून की पढ़ाई के लिए लंदन जाने के बाद अंततः लंदन तक फैल गयी।
- ब्रिटिश अधिकारियों की कुछ हत्याओं के बाद, सावरकर बंधुओं को दोषी ठहराया गया और जेल में डाल दिया गया। 1952 में, सोसायटी को औपचारिक रूप से भंग कर दिया गया । **अतः कथन 3 सही है।**

**प्रश्न 77: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. लंदन में इंडिया हाउस
2. भारतीय समाजशास्त्री
3. भवानी मंदिर

निम्नलिखित में से कौन श्यामजी कृष्ण वर्मा से संबंधित है?

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

- श्यामजी कृष्ण वर्मा ने 1904 में लंदन में प्रसिद्ध इंडिया हाउस की स्थापना की, जो भारत के क्रांतिकारियों के लिए तंत्रिका केंद्र और केंद्रक बन गया। **अतः कथन 1 सही है।**
- उन्होंने 'इंडियन सोशियोलॉजिस्ट' नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया जो क्रांतिकारी विचारों का वाहक बनी। **अतः कथन 2 सही है।**
- फरवरी 1905 में, उन्होंने भारत में ब्रिटिश प्रभुत्व के खिलाफ आवाज उठाने के लिए इंडियन होम रूल सोसाइटी की स्थापना की।
- बारीन्द्र कुमार घोष ने "भवानी मंदिर" शीर्षक से एक पुस्तिका प्रकाशित की जिसमें क्रांतिकारी गतिविधियों के केंद्र के आयोजन के लिए एक विस्तृत योजना का संकेत दिया गया था। **अतः कथन 3 गलत है।**

**प्रश्न 78: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. लखनऊ समझौते को कांग्रेस द्वारा स्वीकार करने से भविष्य में सांप्रदायिक राजनीति का मार्ग प्रशस्त हुआ।
2. लखनऊ समझौते के कारण भारतीय विधायिका में सांप्रदायिक वीटो की शुरुआत हुई।
3. ३. लखनऊ समझौते पर हस्ताक्षर करके कांग्रेस ने अपना धर्मनिरपेक्ष चरित्र पुनः स्थापित कर लिया।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या** :

- दोनों दल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और मुस्लिम लीग, एक अलग निर्वाचन क्षेत्र के प्रस्ताव पर सहमत हुए थे, जिसका अर्थ था कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सामुदायिक राजनीति को समझ

लिया था और अपने स्वार्थ के साथ भारत में रहने वाले कई समुदायों को मान्यता दे दी और जिसकी परिणति 1947 में भारत के विभाजन के रूप में हुई।

- मुसलमानों के प्रतिनिधित्व को महत्व दिया गया, लेकिन इसके परिणामस्वरूप भविष्य में सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया। **अतः कथन 1 सही है।**
- किसी भी धर्म के 3/4 सदस्यों की असहमति होने पर विधायिका निर्णय पारित नहीं कर सकती थी। इससे भारतीय विधायिका में सांप्रदायिकता वीटो की शुरुआत हुई। **अतः कथन 2 सही है।**
- चूँकि कांग्रेस मुसलमानों के लिए सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्रों की योजना पर सहमत हो गई, इसने अपना धर्मनिरपेक्ष चरित्र खो दिया और कांग्रेस ने भविष्य में सांप्रदायिक तनाव का मार्ग प्रशस्त किया। **अतः कथन 3 गलत है ।**

**प्रश्न 79: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. गांधीजी ने बोअर युद्ध के दौरान अंग्रेजों के लिए भारतीय एम्बुलेंस कोर का आयोजन किया।
2. "अनटू दिस लास्ट" पुस्तक ने गांधीजी को प्रेरित किया।
3. गांधीजी ने डरबन के पास फीनिक्स फार्म की स्थापना की।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (d)**

**व्याख्या:**

- 1899 में बोअर युद्ध के दौरान, गांधी ने लगभग 1,100 भारतीयों को इकट्ठा किया और अंग्रेजों के लिए भारतीय एम्बुलेंस कोर का आयोजन किया, लेकिन भारतीयों के खिलाफ नृजातीय भेदभाव और अत्याचार जारी रहा। **अतः कथन 1 सही है।**
- गांधीजी अंग्रेजी कलाकार जॉन रस्किन की पुस्तक अनटू दिस लास्ट से प्रेरित थे और उन्होंने डरबन के पास फीनिक्स फार्म की स्थापना की। **अतः कथन 2 और 3 सही हैं।**

**प्रश्न 80: चंपारण सत्याग्रह के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. गांधीजी ने यहां निष्क्रिय प्रतिरोध की पद्धति का प्रयोग किया।
2. गांधीजी ने अधिकारियों को तीनकठिया व्यवस्था को खत्म करने के लिए सहमत कर लिया।
3. गांधीजी नील बागान मालिकों को ली गई धनराशि का केवल 25% मुआवजा देने पर सहमत हुए।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (d)**
**व्याख्या:**

- चंपारण में, गांधी ने आदेश को स्पष्ट किया और परिणामों का सामना करने का विकल्प चुना। किसी अन्यायपूर्ण आदेश के सामने निष्क्रिय प्रतिरोध या सविनय अवज्ञा का यह तरीका उस समय नया था।
- अंत में, अधिकारियों को झुकना पड़ना पड़ा और गांधीजी को जांच करने की अनुमति दे दी गई। **अतः कथन 1 सही है।**
- गांधीजी अधिकारियों को तीनकठिया व्यवस्था को खत्म करने और किसानों से वसूले गए अवैध बकाये के लिए मुआवजा देने के लिए मनाने में सक्षम हुए। **अतः कथन 2 सही है ।**
- बागान मालिकों के साथ एक समझौते के रूप में, वह उन्हें ली गई धनराशि का केवल 25% मुआवजा देने पर सहमत हुए। **अतः कथन 3 सही है।**
- एक दशक के भीतर, बागान मालिकों ने इस क्षेत्र को छोड़ दिया। इस प्रकार गांधी जी ने भारत की सविनय अवज्ञा की पहली लड़ाई जीत ली।

**प्रश्न 81: अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. गांधीजी ने इस आन्दोलन में हथियार के रूप में भूख हड़ताल का प्रयोग किया।
2. इस हड़ताल का नेतृत्व करने के लिए राज कुमार शुक्ल ने गांधीजी को आमंत्रित किया था।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (a)**
**व्याख्या:**

- फरवरी मार्च 1918 में, 1917 के प्लेग बोनस के मुद्दे पर गुजरात मिल मालिकों और श्रमिकों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा हो गई।
- मिल मालिक बोनस नही देना चाहते थे जबकि कर्मचारियों ने 50% वेतन वृद्धि की मांग की।
- मिल मालिक केवल 20% वेतन वृद्धि देने को तैयार थे।

- मार्च 1918 में गांधीजी के नेतृत्व में सूती मिलों में हड़ताल हुई। इस हड़ताल में गांधीजी ने भूख हड़ताल का हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। **अतः कथन 1 सही है।**
- इस समय, गांधीजी को अहमदाबाद के अमीर मिल-मालिक अनसूया बेन साराबाई और उनके भाई अंबालाल साराभाई ने मिल मालिकों के हित के लिए आमंत्रित किया था। अनसूया अभी इंग्लैंड से लौटी थीं और समाजवादी थीं। **अतः कथन 2 गलत है।**
- यदि इस विद्रोह के नेता के रूप में गांधी जी न होते तो शायद दुकानों पर धरना दिया जाता, लेकिन यह विद्रोह शुद्ध अहिंसक, अनुशासित तरीके से किया गया था।
- परिणाम यह हुआ कि हड़ताल सफल रही और श्रमिकों को 35% वेतन वृद्धि मिली।

**प्रश्न 82: रोलेट सत्याग्रह के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

1. रौलेट एक्ट 'राजद्रोह समिति' की सिफ़ारिशों पर आधारित था।
2. रोलेट सत्याग्रह में गांधीजी ने होम रूल लीग का उपयोग करने का प्रयास किया।
3. साइमन कमीशन के आगमन के विरुद्ध प्रदर्शन रौलट सत्याग्रह के साथ ही हुआ।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या:**

- रोलेट एक्ट को ब्लैक एक्ट (गांधी जी द्वारा कहा गया) के नाम से भी जाना जाता है, यह 1919 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल द्वारा पारित एक विधायी अधिनियम था।
- इस अधिनियम के तहत ब्रिटिश सरकार किसी भी भारतीय को बिना किसी मुकदमे या वारंट के गिरफ्तार कर सकती थी। यह अधिनियम राजद्रोह समिति पर आधारित था। **अतः कथन 1 सही है।**
- रोलेट सत्याग्रह में गांधीजी ने होम रूल लीग का उपयोग करने का प्रयास किया। **अतः कथन 2 सही है**
- साइमन कमीशन 03 फरवरी, 1928 को भारत आया जिसके परिणामस्वरूप प्रमुख शहरों और कस्बों में हड़तालें हुईं और लोकप्रिय नारे 'साइमन वापस जाओ ' के साथ इसका स्वागत किया गया।. **अतः कथन 3 गलत है**

**प्रश्न 83: 1920 में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन को कांग्रेस संगठन में निम्नलिखित में से किस परिवर्तन के लिए याद किया जाता है?**

1. प्रांतीय कांग्रेस समितियों को भाषाई क्षेत्रों के आधार पर पुनर्गठित किया गया।
2. कांग्रेस को एक सतत राजनीतिक संगठन के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाने के लिए एक कार्य समिति की स्थापना की गई।
3. कांग्रेस ने अपने राजनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए औपचारिक रूप से जन आंदोलन का तरीका अपनाया।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) 1, 2 और 3
d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

- दिसंबर 1920 में नागपुर अधिवेशन में कांग्रेस के संगठन में कुछ परिवर्तन किये गये। प्रांतीय कांग्रेस समितियों को भाषाई क्षेत्रों के आधार पर पुनर्गठित किया गया। **अतः कथन 1 सही है।**
- अध्यक्ष एवं सचिवों सहित 15 सदस्यों की एक कार्य समिति का गठन किया गया।
- यह कांग्रेस को एक सतत राजनीतिक संगठन के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाएगा और उसे अपने संकल्पों को लागू करने के लिए मशीनरी प्रदान करेगा। **अतः कथन 2 सही है।**
- अधिवेशन के अनुसार, यह निर्णय लिया गया कि कांग्रेस संगठन को गाँवों, छोटे शहरों और मोहल्लों तक पहुँचना था। इसने ग्रामीण और शहरी गरीबों को सदस्य बनने में सक्षम बनाने के लिए अपनी सदस्यता शुल्क भी कम कर दी।
- कांग्रेस ने अपना रुख 'संवैधानिक सीमाओं के अंतर्गत स्वराज के लिए आंदोलन' से बदलकर 'शांतिपूर्ण और वैध तरीकों के अंतर्गत स्वराज के लिए आंदोलन' कर दिया। **अतः कथन 3 सही है।**

**प्रश्न 84: गांधीवादी सिद्धांत के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?**

(a) सत्याग्रही का उद्देश्य शत्रु को परास्त करना है।
(b) सत्याग्रह का हथियार अहिंसा है।
(c) सत्याग्रही को अपने विश्वास पर दृढ़ रहना चाहिए।
(d) सत्याग्रही को अपने शत्रुओं के प्रति कोई बुरी भावना नहीं रखनी चाहिए।

**सही उत्तर: (a)**
**व्याख्या:**

- गांधीजी के सत्याग्रह का अर्थ है अहिंसा, जो हिंसा से भी बड़ी शक्ति है।

- पीड़ा इसकी प्रेरक शक्ति थी, एक बार उत्पीड़कों को अहिंसक प्रदर्शनकारियों पर जितना संभव हो उतना बल प्रयोग करने दें जब तक कि वह स्थिति न आ जाए जब वे और अधिक हिंसा न कर सकें।
- इसलिए उद्देश्य दुश्मन को हराना नहीं है बल्कि उनकी धारणा को बदलना है। **अतःविकल्प (a) सही उत्तर है।**

**प्रश्न 85: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. स्वराजवादी पार्टी के मुख्य नेतृत्व ने सामूहिक सविनय अवज्ञा में अपने विश्वास की पुष्टि की।
2. स्वराजवादी पार्टी ने संयुक्त प्रांत, मध्य प्रांत और पंजाब में अधिकतम सीटें जीतीं।
3. पूर्ण स्वराज और सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत ने स्वराजवादी पार्टी को समाप्त कर दिया।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

- स्वराजवादी पार्टी के मुख्य नेतृत्व ने बड़े पैमाने पर नागरिक अवज्ञा में अपने विश्वास की पुष्टि की, मार्च 1926 में वे विधायिकाओं से बाहर हो गए, जबकि स्वराजवादियों का एक अन्य वर्ग 1926 के चुनाव में अव्यवस्थित पार्टी के रूप में उतरा और कुल मिलाकर उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।। **अतः कथन 1 सही है।**
- उन्होंने केंद्र में 40 सीटें और मद्रास में कुछ सीटें जीतीं, लेकिन संयुक्त प्रांत, मध्य प्रांत और पंजाब में हार गए। **अतः कथन 2 गलत है ।**
- पूर्ण स्वराज पर लाहौर कांग्रेस के प्रस्ताव और सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत के परिणामस्वरूप अंततः 1930 में स्वराजवादी बाहर चले गए। **अतः कथन 3 सही है।**

**प्रश्न 86. मुडीमैन समिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. स्वराज पार्टी के खिलाफ मुस्लिम लीग के दृष्टिकोण के कारण इस समिति की नियुक्ति हुई।
2. समिति के अध्यक्ष सर अलेक्जेंडर मुडीमैन थे।
3. इस समिति ने रॉयल कमीशन की स्थापना की वकालत की।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या:**

**कथन 1 ग़लत है:** मुडीमैन समिति की नियुक्ति स्वराज पार्टी के ख़िलाफ़ मुस्लिम लीग के विचारों की प्रतिक्रिया में नहीं की गई थी। वास्तव में, मुस्लिम लीग शुरू में स्वराज पार्टी और उसके लक्ष्यों की समर्थक थी। ब्रिटिश सरकार से कोई महत्वपूर्ण रियायत हासिल करने में स्वराज पार्टी की विफलता के बाद ही मुस्लिम लीग ने खुद को पार्टी से दूर करना शुरू कर दिया।

**कथन 2 सही है:** भारतीय नेताओं की मांग के जवाब में और 1920 के दशक की शुरुआत में स्वराज पार्टी द्वारा अपनाए गए प्रस्ताव के संबंध में, ब्रिटिश सरकार ने सर अलेक्जेंडर मुडीमैन की अध्यक्षता में एक समिति की स्थापना की।

**कथन 3 सही है** : मुडीमैन समिति ने एक रॉयल कमीशन की स्थापना की वकालत की। अपनी रिपोर्ट में, समिति ने सिफारिश की कि भारत में सरकार की द्वैध प्रणाली के कामकाज की जांच करने और इसके सुधार के लिए सिफारिशें करने के लिए एक रॉयल कमीशन की नियुक्ति की जानी चाहिए।

**प्रश्न 87: बारदोली सत्याग्रह के परिणाम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. सरकार ने मामले की जांच के लिए मैक्सवेल-ब्रूमफील्ड आयोग की स्थापना की।
2. जब्त की गई भूमि और संपत्ति किसानों को वापस नहीं की गई।
3. टैक्स में बढ़ोतरी सिर्फ 6.03% पर तय की गई।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :
(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

- ब्रिटिश सरकार को चिंता थी कि चीजें हाथ से निकल सकती हैं, इसलिए सरकार ने मामले की जांच के लिए मैक्सवेल-ब्रूमफील्ड आयोग की स्थापना की। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह जब्त की गई भूमि और संपत्तियों को बहाल करने, वर्ष के लिए राजस्व भुगतान रद्द करने और अगले वर्ष के बाद तक 22% वृद्धि रद्द करने पर सहमत हुआ। **अतः कथन 2 गलत है।**

- राजस्व में 6.03 प्रतिशत की कटौती की गई। **अतः कथन 3 सही है।**
- बारदोली सत्याग्रह की सफलता के बाद, वल्लभाई पटेल एक राष्ट्रीय नेता के रूप में उभरे।

**प्रश्न 88: सूची-I को सूची-II से मिलाएं और नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए :**

| **सूची-I** | **सूची II** |
|---|---|
| A. मदन मोहन मालवीय | 1. होम रूल लीग के संस्थापक |
| B. मोतीलाल नेहरू | 2. सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी का शुभारंभ |
| C. श्रीमती एनी बेसेंट | 3. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक. |
| D. गोपाल कृष्ण गोखले | 4. अन्य लोगों के साथ मिलकर स्वराज पार्टी की स्थापना |

कूट:

| | A | B | C | D |
|---|---|---|---|---|
| (a) | 3 | 4 | 1 | 2 |
| (b) | 4 | 3 | 2 | 1 |
| (c) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (d) | 2 | 1 | 4 | 3 |

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

सही सुमेलित सूची इस प्रकार है:

- मदन मोहन मालवीय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक थे।
- मोतीलाल नेहरू अन्य लोगों के साथ स्वराज पार्टी के संस्थापक (1923) थे
- श्रीमती एनी बेसेंट होम रूल लीग की संस्थापक (1916) थीं
- गोपाल कृष्ण गोखले ने सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना (1905) की।

**प्रश्न 89: दिल्ली घोषणापत्र के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. वायसराय इरविन ने दिल्ली घोषणापत्र में रखी गई मांगों को स्वीकार कर लिया।
2. डोमिनियन स्टेटस के मूल सिद्धांत को तुरंत स्वीकार किया जाना चाहिए।

निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) कोई भी नहीं

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- वायसराय इरविन कांग्रेस पर गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए जोर दे रहे थे। अतः कांग्रेस द्वारा सम्मेलन में भाग लेने के लिए कुछ शर्तें रखीं गयी:
- इसका उद्देश्य डोमिनियन स्टेटस के कार्यान्वयन के लिए एक संविधान का निर्माण और डोमिनियन स्टेटस के मूल सिद्धांत को तुरंत स्वीकार किया जाना था। **अतः कथन 2 सही है।**
- सम्मेलन में कांग्रेस को बहुमत का प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।
- राजनीतिक कैदियों के लिए सामान्य माफी और सुलह की नीति होनी चाहिए।
- वायसराय इरविन ने दिल्ली घोषणापत्र में रखी गई इन मांगों को खारिज कर दिया। **अतः कथन 1 गलत है।**

**प्रश्न 90: सूर्य सेन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. वह बंगाल अनुशीलन समिति के सदस्य थे।
2. उन्होंने युवाओं को हथियार चलाना और बम बनाना सिखाया।
3. अलीपुर षडयंत्र केस में भी वह प्रमुख सदस्य थे।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

**कथन 1 सही है:** सूर्य सेन का जन्म 22 मार्च 1894 को नोआपाड़ा, चटगांव, बांग्लादेश में हुआ था। उनके पिता एक हाई स्कूल शिक्षक थे। वह बंगाल की क्रांतिकारी संस्था अनुशीलन समिति से जुड़ गए। 1918 में उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की और चटगांव में गणित शिक्षक के रूप में काम करना शुरू किया।

**कथन 2 सही है:** उन्होंने युवाओं को हथियारों के इस्तेमाल और बमों के निर्माण की शिक्षा दी। उन्होंने सरकारी संस्थानों पर छापा मारने और हथियार और गोला-बारूद जब्त करने के साथ-साथ शेष भारत के साथ संचार काटने और चटगांव को अलग-थलग करने की रणनीति तैयार की। यह घटना चटगांव शस्त्रागार छापे के नाम से जानी गई।

**कथन 3 ग़लत है** : अलीपुर षडयंत्र मामले के कुछ प्रमुख सदस्य थे:

- अरबिंदो घोष
- बारिन घोष
- नरेंद्र नाथ गोस्वामी
- प्रफुल्ल चाकी
- खुदीराम बोस
- सत्येंद्र नाथ बोस
- कनाईलाल दत्त
- हेम चंद्र दास

**प्रश्न 91: सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर चुनिए :**

| **सूची-I** | **सूची-II** |
|---|---|
| A. चटगांव शस्त्रागार छापा | 1. लाला हरदयाल |
| B. काकोरी षड़यंत्र | 2. जतिन दास |
| C. लाहौर षडयंत्र | 3. सूर्यसेन |
| D. गदर पार्टी | 4. राम प्रसाद बिस्मिल |

कूट:

(a) A - 3; B - 4; C - 1; D - 2
(b) A - 4; B - 3; C - 2; D - 1
(c) A - 3; B - 4; C - 2; D - 1
(d) A - 2; B - 4; C - 3; D - 1

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

- चटगांव शस्त्रागार छापे का नेतृत्व सूर्य सेन ने किया था।
- काकोरी षड़यंत्र एक ट्रेन डकैती था जो 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के पास काकोरी और आलमनगर के बीच घटित हुई थी। इस डकैती की योजना राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाकउल्ला खान ने बनाई थी जो हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) से संबंधित थे।
- जतिन दास को क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए गिरफ्तार किया गया था और लाहौर षडयंत्र मामले के तहत मुकदमा चलाने के लिए लाहौर जेल में कैद किया गया था।
- ग़दर पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष सोहन सिंह भकना थे और लाला हरदयाल इस पार्टी के सह-संस्थापक थे। **अतः विकल्प (c) सही है**

**प्रश्न 92: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. 1936 में हस्ताक्षरित "बॉम्बे घोषणापत्र" ने खुले तौर पर समाजवादी आदर्शों के प्रचार का विरोध किया।
2. इसे पूरे भारत के व्यापारिक समुदाय के एक बड़े वर्ग से समर्थन प्राप्त हुआ।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

**सही उत्तर: (c)**

**व्याख्या:**

**कथन 1 सही है:** बॉम्बे घोषणापत्र 1936 में भारतीय उद्योगपतियों और व्यापारियों के एक समूह द्वारा जारी किया गया एक बयान था। घोषणापत्र ने खुले तौर पर समाजवादी आदर्शों के प्रचार का विरोध किया और भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था की वकालत की गयी। घोषणापत्र पर जीडी बिड़ला, पुरूषोतमदास ठाकुरदास और वालचंद हीराचंद सहित कई प्रमुख भारतीय व्यापारियों ने हस्ताक्षर किए।

**कथन 2 सही है:** बॉम्बे घोषणापत्र को पूरे भारत के व्यापारिक समुदाय के एक बड़े वर्ग से समर्थन मिला। घोषणापत्र को उस समय भारत में समाजवाद की बढ़ती लोकप्रियता के खिलाफ एक चेतावनी के रूप में देखा गया था।

**प्रश्न 93: कांग्रेस शासित प्रांतों में मुस्लिम शिकायतों से जुड़ी निम्नलिखित रिपोर्टों पर विचार कीजिए :**

1. पीरपुर रिपोर्ट
2. शरीफ रिपोर्ट
3. फज़ुल हक़ रिपोर्ट

नीचे दिए गए कूट से रिपोर्ट का सही कालानुक्रमिक क्रम चुनिए :

कूट:

(a) 1,2,3
(b) 2,1,3
(c) 3,1,2
(d) 1,3,2

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

कांग्रेस प्रशासित प्रांतों में मुस्लिम शिकायतों की रिपोर्टों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है

- पीरपुर रिपोर्ट - 1938
- शरीफ़ रिपोर्ट - मार्च, 1939
- फ़ज़ुल हक़ रिपोर्ट - दिसंबर, 1939

**प्रश्न 94. अगस्त प्रस्ताव की विफलता के बाद की स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. कट्टरपंथी और वामपंथी बड़े पैमाने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करना चाहते थे।
2. व्यक्तिगत सत्याग्रह का उद्देश्य स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार की पुष्टि करना था।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) ना तो 1 और ना ही 2

**सही उत्तर: (c)**
**व्याख्या:**

**कथन 1 सही है:** अगस्त प्रस्ताव के बाद, कांग्रेस एक बार फिर उलझन में थी। कट्टरपंथी और वामपंथी बड़े पैमाने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करना चाहते थे, लेकिन गांधीजी ने व्यक्तिगत सत्याग्रह पर जोर दिया।

**कथन 2 सही है** : व्यक्तिगत सत्याग्रह का उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्त करना नहीं बल्कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार की पुष्टि करना था।

इस सत्याग्रह का एक अन्य कारण यह था कि कोई भी जन आंदोलन हिंसक हो सकता था, और वह नहीं चाहते थे कि यूनाइटेड किंगडम को ऐसी स्थिति से शर्मिंदा होना पड़े।

गांधी जी के विचार अलग थे। वह ब्रिटिश साम्राज्य के खंडहरों पर स्वतंत्र भारत का निर्माण नहीं करना चाहते थे।

**प्रश्न 95: सर स्टैफ़ोर्ड क्रिप्स ब्रिटिश सरकार के प्रस्तावों की एक मसौदा घोषणा के साथ भारत आए जिसमें निम्नलिखित में से क्या शामिल था?:**

1. भारत को डोमिनियन राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए।
2. भारतीय संघ बनाने के लिए सभी प्रांतों और राज्यों का विलय किया जाना चाहिए।
3. कोई भी प्रान्त या राज्य भारतीय संघ से बाहर रहने का निर्णय ले सकता है।
4. भारतीय संविधान का गठन भारत के लोगों द्वारा किया जाना चाहिए।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

(a) 1, 2 और 3
(b) 2, 3 और 4
(c) 1, 2 और 4
(d) उपर्युक्त सभी

**सही उत्तर: (d)**

**व्याख्या** :

मार्च, 1942 में भारत पहुँचकर स्टैफ़ोर्ड क्रिप्स ने एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया जिसकी प्रमुख सिफ़ारिशें थीं-

- युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस दिया जाना चाहिए और जो किसी बाहरी सत्ता के अधीन नहीं होगा। **अतः कथन 1 सही है।**
- 1942 के क्रिप्स मिशन के प्रस्तावों में यह प्रावधान शामिल था कि भारतीय संघ बनाने के लिए सभी प्रांतों और राज्यों का विलय किया जाना चाहिए। यह पिछली ब्रिटिश नीति से अलग था, जिसके तहत रियासतों की स्वतंत्रता को मान्यता दी गयी थी। **अतः कथन 2 सही है।**
- भारतीयों को अपना संविधान बनाने का अधिकार दिया जाना चाहिए जिसके लिए युद्ध के बाद संविधान निर्माण परिषद् की स्थापना की जाएगी।
- नए संविधान से सहमत न होने वाले प्रांतों को, स्वयं को प्रस्तावित संघ से बाहर रखने का अधिकार होगा। ऐसे प्रांत अपना अलग संविधान बनाने के हकदार होंगे। **अतः कथन 3 सही है ।**
- युद्ध के दौरान भारत की विभिन्न पार्टियों को मिलाकर एक अंतरिम सरकार का गठन किया जाएगा। हालाँकि, रक्षा और विदेश मामले पूरी तरह से वायसराय की ज़िम्मेदारी होगी। **अतः कथन 4 सही है ।**

**प्रश्न 96: राजगोपालाचारी सूत्र के संबंध में निम्नलिखित पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए :**

(a) मुस्लिम लीग द्वारा कांग्रेस की स्वतंत्रता की मांग का समर्थन किया जाएगा।
(b) उत्तर-पश्चिम भारत में केवल मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में जनमत संग्रह द्वारा निर्णय लिया जाएगा कि एक पृथक संप्रभु राज्य बनाया जाए या नहीं।
(c) लीग केंद्र में एक अस्थायी सरकार बनाने में कांग्रेस के साथ सहयोग करेगी।
(d) विभाजन की स्वीकृति के मामले में, रक्षा, वाणिज्य, संचार आदि की सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से समझौता किया जाना चाहिए।

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

राजगोपालाचारी सूत्र ने प्रस्ताव दिया कि मुस्लिम लीग को कांग्रेस की स्वतंत्रता की मांग का समर्थन करना चाहिए और केंद्र में एक अस्थायी सरकार बनाने में कांग्रेस के साथ सहयोग करना चाहिए। विभाजन की स्वीकृति के मामले में, रक्षा, वाणिज्य, संचार आदि की सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से एक समझौता किया

जाना था। हालाँकि, सूत्र में यह प्रस्तावित नहीं किया गया था कि केवल उत्तर-पश्चिम भारत में मुस्लिम बहुल क्षेत्रों को जनमत संग्रह द्वारा निर्णय लेना चाहिए कि एक अलग संप्रभु राज्य बनाया जाए या नहीं।। **इसलिए विकल्प (b) गलत है।**

**प्रश्न 97: देसाई-लियाकत योजना की पृष्ठभूमि के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. ब्रिटिश युद्ध योजना का समर्थन करने के लिए देसाई ने लियाकत अली खान के साथ गुप्त बातचीत शुरू की।
2. उन्होंने कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच गतिरोध को ख़त्म करने के लिए भी काम किया।
3. उनका उद्देश्य भावी गठबंधन सरकार के लिए एक समझौते पर बातचीत करना भी था।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (b)**
**व्याख्या:**
**कथन 1 गलत है:** देसाई-लियाकत योजना पर ब्रिटिश सरकार की जानकारी के बिना वार्ता आयोजित की गई थी। वास्तव में, ब्रिटिश सरकार इस योजना के विरोध में थी, क्योंकि उसे डर था कि इससे एकजुट और स्वतंत्र भारत का निर्माण होगा।
**कथन 2 और कथन 3 दोनों सही हैं:** देसाई-लियाकत योजना कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच की खाई को पाटने और एकजुट भारत बनाने का एक प्रयास था। योजना में हिंदुओं और मुसलमानों के लिए समान प्रतिनिधित्व वाली गठबंधन सरकार का प्रस्ताव रखा गया।

**प्रश्न 98: शिमला सम्मेलन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

1. वेवेल योजना में अपने बहुसंख्यक क्षेत्रों में मुस्लिम समुदायों की अधिसंख्य शक्तियों को कम नहीं किया गया।
2. मुसलमानों को अलग प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया।
3. मोहम्मद अली जिन्ना ने शिमला सम्मेलन में मुस्लिम लीग का प्रतिनिधित्व किया।

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए :

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- वेवेल योजना के प्रावधानों पर चर्चा के लिए ब्रिटिश सरकार की ग्रीष्मकालीन राजधानी शिमला में 21 भारतीय राजनीतिक नेताओं का एक सम्मेलन आयोजित किया गया था।
- उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष मौलाना अबुल कलाम आज़ाद प्रमुख नेताओं में से एक थे। सम्मेलन में मोहम्मद अली जिन्ना भी मौजूद थे. **अतः कथन 3 सही है ।**
- भारतीय स्वशासन के लिए वेवेल योजना पर सहमति बनाने और उसे मंजूरी देने के लिए आयोजित, यह भारतीय स्वशासन के लिए एक संभावित समझौते पर पहुंचा, जिसमें मुसलमानों को अलग प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया और उनके बहुसंख्यक क्षेत्रों में दोनों समुदायों की अधिसंख्य शक्तियों को कम कर दिया। **अतः कथन 1 गलत है और कथन 2 सही है ।**

**प्रश्न 99: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए :**

(a) आईएनए का मुख्यालय रंगून में स्थापित किया गया था।

(b) लक्षद्वीप द्वीप का नाम बदलकर शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप कर दिया गया।

(c) जापानी सेना ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को आईएनए को सौंप दिया।

(d) सुभाष बोस ने आज़ाद हिंद रेडियो से महात्मा गांधी को "राष्ट्रपिता" कहकर संबोधित किया।

**सही उत्तर: (b)**

**व्याख्या:**

- जनवरी 1944 में, आईएनए मुख्यालय को रंगून (बर्मा) में स्थानांतरित कर दिया गया था और सेना के रंगरूटों को अपने मुंह पर "चलो दिल्ली" का नारा लेकर वहां से मार्च करना था।
- जापानी सेना ने 6 नवंबर, 1943 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को आईएनए को सौंप दिया; द्वीपों का नाम क्रमशः शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप रखा गया **। अतः विकल्प b गलत विकल्प है।**
- 6 जुलाई, 1944 को सुभाष बोस ने आजाद हिंद रेडियो से महात्मा गांधी को "राष्ट्रपिता" कहकर संबोधित किया (वे गांधी को "राष्ट्रपिता" कहकर संबोधित करने वाले पहले व्यक्ति थे)।
- उन्होंने "भारत के अंतिम स्वतंत्रता संग्राम" के लिए गांधीजी का आशीर्वाद मांगा।

**प्रश्न 100. माउंटबेटन योजना के प्रावधान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए :**

(a) सीमा आयोग की अध्यक्षता सर हेनरी मैकमोहन ने की थी।

(b) रियासतों पर ब्रिटिश संप्रभुता अब समाप्त हो गई।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(c) जब तक नए संविधान स्थापित नहीं हो जाते, गवर्नर-जनरल, महामहिम के नाम पर पारित किसी भी कानून को सहमति देंगे।

(d) गवर्नर-जनरल को संवैधानिक प्रमुख का दर्जा दिया गया।

**सही उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

- सर सिरिल रैडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग की स्थापना दोनों देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को तय करने के लिए की गई थी। आयोग को बंगाल और पंजाब को दो नए देशों में विभाजित करने का काम सौंपा गया था। **इसलिए विकल्प (a) गलत है।**
- रियासतों को स्वतंत्र रहने या भारत या पाकिस्तान में शामिल होने का विकल्प दिया गया। इन राज्यों पर ब्रिटिश संप्रभुता समाप्त हो गई।
- ब्रिटिश सम्राट द्वारा अब स्वयं को "भारत के सम्राट" के रूप में संबोधित नहीं किया जाएगा।
- उपनिवेशों के निर्माण के बाद, ब्रिटिश संसद नए उपनिवेशों के क्षेत्रों में कोई भी कानून बनाने में असमर्थ थी।
- जब तक नए संविधान स्थापित नहीं हो जाते, गवर्नर-जनरल उपनिवेशों की संविधान सभाओं द्वारा महामहिम के नाम पर पारित किसी भी कानून को सहमति देंगे।
- गवर्नर-जनरल को संवैधानिक प्रमुख का दर्जा दिया गया।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR